समाज विकास

मूल्य : ₹.१० प्रति, वार्षिक ₹.१००

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का मुखपत्र

• सितम्बर २०११ • वर्ष ६२ • अंक ९

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन का प्रांतीय अधिवेशन सम्पन्न

अखिल भारतीय समिति की बैठक में नयी शाखा, सदस्यता एवं फिजूलखर्ची पर सार्थक बहस

Caring for Land and People...

RUNGTA MINES LIMITED

Mine Owners, Ferro Alloy Producer & Mineral Processors

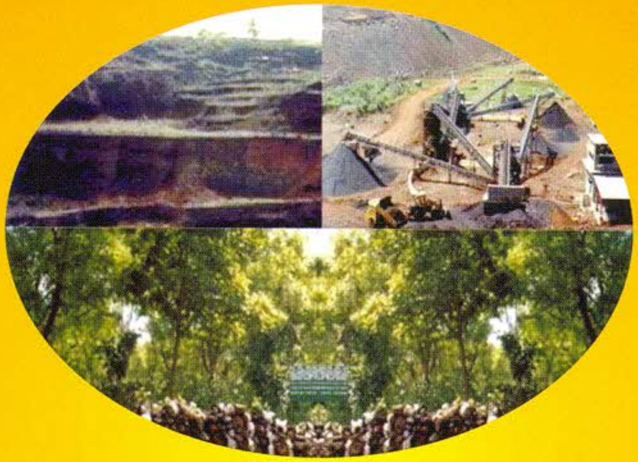

- ***IRON ORE*** *- BF & SPONGE GRADE, BLUE DUST, CRUSHED FINES*
- ***MANGANESE ORE*** *- BF & FERRO MANGANESE GRADE, DIOXIDE, FINES*
- ***LIMESTONE, BAUXITE, QUARTZ, PYROPHYLLITE***
- ***SPONGE IRON*** *LUMPS & FINES*

CORPORATE OFFICE

RUNGTA HOUSE, CHAIBASA 833 201, JHARKHAND, INDIA
Phone: 06582-256861/ 256761/ 256661; Fax: 91- 6582 256442
Email: rungtas@satyam.net.in, Web Site: www.rungtamines.com, GRAM: "RUNGTA"

REGISTERED OFFICE

8A, EXPRESS TOWER, 42A, SHAKESPEARE SARANI
KOLKATA 700017, INDIA
Phone: 033-2281 6580/3751; Fax: 91-33-2281 5380; Email: rungta_cal@sify.com

MINES DIVISION

RUNGTA OFFICE
MAIN ROAD, BARBIL 758035, DIST- KEONJHAR, ORISSA, INDIA
Phone: 06767- 275221/277481/ 441; Fax: 91-6767-276161
Email: rungta_bbl@yahoo.co.in, GRAM: "RUNGTA"

SPONGE IRON DIVISION

ORISSA
RUNGTA OFFICE
MAIN ROAD, BARBIL 758035
DIST- KEONJHAR, ORISSA, INDIA
Phone: 06767- 27689/277391/021
Fax: 91-6767-277011

JHARKHAND
RUNGTA OFFICE
SADAR BAZAR, CHAIBASA - 833201
DIST- SINGHBHUM(W), JHARKHAND, INDIA
Phone: 06582-256621/256321
Fax: 91-6582-257521

समाज विकास

◆ सितम्बर २०११ ◆ वर्ष ६२ ◆ अंक ९ ◆ एक प्रति - १० रु. ◆ वार्षिक-१०० रु.

अनुक्रमणिका

क्रमांक	*पृष्ठ संख्या*
चिट्ठी आई है	४-५
सम्पादकीय : हाय! मँहगाई मार गई – ***सीताराम शर्मा***	७-८
अध्यक्षीय : प्रेम-सादगी के साथ भगवान से बात करें – ***हरि प्रसाद कानोड़िया***	९-१०
महत्वपूर्ण योगदानों के बावजूद मारवाड़ी समाज की गलत छवि क्यों? – ***संतोष सराफ***	११
अखिल भारतीय समिति की बैठक की रपट	१३-१४
दहेज की बलिवेदी पर एक और भेंट चढ़ी	१४
समाज तथा राष्ट्र के लिए दहेज घातक	१५
अमृतवाणी : कल्पवृक्ष	१५
पर्यटन मंत्री रछपाल सिंह की पहल	१७
अखिल भारतवर्षीय समिति सदस्यता सूची	१८-२३
मेधावी विद्यार्थियों को मामराज पुरस्कार	२५
महंगाई से त्रस्त आम आदमी – ***रामअवतार पोद्दार***	२६
कविता – मैं अन्ना हूं – ***प्रेमलता खंडेलवाल***	२६
हंसगुल्ले	२७
प्रान्तीय समाचार – उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन का प्रांतीय अधिवेशन	२८
प्रान्तीय समाचार – भ्रष्टाचार के विरुद्ध जबलपुर बन्द	२९
प्रान्तीय समाचार – आन्ध्र प्रादेशिक मारवाड़ी शिक्षा कोष ट्रस्ट की रपट	२९
प्रान्तीय समाचार – बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की रपट	३०
हास्य कथा – अक्खड़ स्वभाव का राजपूत और बनिया – ***नथमल केडिया***	३१-३२
SMS की दुनिया / कविता : अन्ना – ***शिव सारदा***	३४
देहदान	३४

स्वत्वावधिकारी

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन ◆ १५२बी, महात्मा गांधी रोड, कोलकाता - ७००००७

फोन : ०३३-२२६८ ०३१९ ◆ email: aimf1935@gmail.com

के लिये श्री भानीराम सुरेका द्वारा मुद्रित एवं प्रकाशित तथा

सीडीसी प्रिंटर्स प्रा. लि., ४५, राधानाथ चौधरी रोड, कोलकाता - ७०००१५ से मुद्रित

प्रधान संपादक : सीताराम शर्मा

प्रकाशित रचनाओं से सम्पादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है।

चिट्ठी आई है

शोक संदेश

यह जानकर गहरा हृदयाघात हुआ कि अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के पर्व अध्यक्ष नंद किशोर जी जालान एवं हनुमान प्रसाद जी सरावगी का निधन हो गया है। इन दोनो महान हस्तिओं महामानवों के निधन से न केवल अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन को ही अपूरित क्षति हुई है बल्कि पूरे भारतवर्ष सहित राजस्थान साहित्य जगत को एवं अपनी मातृभाषा राजस्थानी की मान्यता के आंदोलन को गहरा आघात पहुँचा है।

जहां एक तरफ नंदकिशोर जी जालान साहित्यकार, मातृभूमि, मातृभाषा के प्रवल समर्थक एवं समर्पित व्यक्तित्व के धनी होने के साथ साथ सादगी, त्याग, सहिष्णुता, अपनत्व व्यवहार कुशलता एवं स्नेह की प्रतिमूर्ति थे। मैं संघर्ष समिति की ओर से इन दोनों महामानवों के निधन पर अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि उनके परिजनों, इष्ट मित्रों एवं मारवाड़ी सम्मेलन को इस दुःखद घड़ी में धैर्य प्रदान करने की क्षमता प्रदान करें। मेरे जालान साहब एवं सरावगी साहब से वर्षो से आत्मीय सम्बन्ध रहे है। समाज-विकास मासिक पत्रिका यथासमय मुझे प्राप्त होती रही। इसके लिए मैं जालान साहब एवं सरावगी साहब की आत्मा को शत् शत् नमन करता हूं। हनुमान जी सरावगी पिछले ८ वर्षों से इसकी संघर्ष समिति के राष्ट्रीय महामंत्री रहकर राजस्थानी भाषा की संवैधानिक मान्यता के लिए सराहनीय एवं प्रेरणाप्पद प्रयास किये। दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करने की ईश्वर से कामना करता हूं।

लक्ष्मणदान कविया
संस्थापक
अ.भा. राजस्थानी भाषा मान्यता संघर्ष समिति

सिलीगुडी में बंग भवन का उद्घाटन

मुझे अत्यन्त प्रसन्नता है, यह लिखने में कि सिलीगुड़ी शहर में मारवाड़ी समाज की जनसंख्या के अनुपात में सेवा के कार्य कुछ ज्यादा ही हैं। यहाँ पर अग्रसेन भवन, माहेश्वरी भवन, माहेश्वरी सेवा सदन, तेरापंथ भवन, ऋषि भवन, शिल्पाञ्चल भवन, उत्तरबंग मारवाड़ी भवन, मारवाड़ी पंचायत भवन, भोपाल धर्मशाला, सुखाराम नकिपुरिया भवन, गायत्री भवन, सिलीगुड़ी दार्जिलिंग गौशाला, बालिका विद्यापीठ, हिन्दी हाई स्कूल, आदर्श महाविद्यालय आदि सभी संस्थाएँ आधुनिक सुविधा सम्पन्न एवं अल्प व्यय में उपलब्ध हैं। शर्त केवल एक है कि भोजन निरामिष एवं मादक पदार्थ बर्जित हो। इस शर्त के कारण स्थानीय बंगभाषी समाज इन भवनों का उपयोग अपने काम के लिए नही कर पाते थे।

अभी हाल में यहाँ के प्रसिद्ध उद्योगपति श्री अजित अग्रवाल ने स्थानीय आमिष भोजी समाज के लिए "अमित अग्रवाल फाउण्डेसन बंग भवन" के नाम से एक विशाल एवं बहुमंजिला भवन का निर्माण करवाया है जिसका उद्घाटन गत १३.०८.२०११ को भारत के माननीय वित्त मन्त्री श्री प्रणव मुखर्जी के कर-कमलों द्वारा सम्पन्न हुआ। इस भवन के निर्माण से स्थानीय समाज को काफी सुविधा होगी। श्री अग्रवाल ने इससे पहले सन् २००९ में उत्तर बंग मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल के पास कम आय वर्ग के लोगों के लिए कम खर्च में रहने एवं भोजन की व्यवस्था हेतु एक भवन बनवा कर समाज को अर्पित किया था, यह एक सराहनीय एवं अनुकरणीय प्रयास है।

प्रेषक
ओमप्रकाश अग्रवाल
सिलीगुड़ी

चिट्ठी आई है

गलत सूचना

इस पत्राचार का उद्देश्य आपका ध्यान समाज विकास के मई २०११ अंक में प.वं. प्रादेशिक मा. सम्मेलन के सचिव श्री राम गोपाल बागला द्वारा दी गयी गलत सूचना की ओर आकर्षित करने का है। अपनी इस गलती के एवज में उनका प्रेषित किया पत्र संलग्न है।

मेरा निवेदन है समाज विकास के अगले अंक में इस भूल सुधार को प्रकाशित करें।

आपकी

विमला डोकानिया

क्षमाप्रार्थी

आपको विदित हो कि गत मई २०११ को प्रांतीय सम्मेलन द्वारा समाज विकास में गलती से एक सूचना छप गई थी कि सम्मेलन की १७४, चितरंजन एवेन्यू की आफिस भाड़े पर ली गई थी।

लेकिन वास्तविक स्थिति यह है कि हमारे भूतपूर्व अध्यक्ष श्री लोकनाथ डोकानिया ने अपनी आफिस सम्मेलन को वगैर भाड़े के सम्मेलन का कार्य चलाने हेतु दी। सम्मेलन के वे स्तम्भ थे। जब तलक वे जीवित रहे सम्मेलन के कार्यो से जुड़े रहे।

हमसे गलतफहमी में जो भूल हो गई उसके लिये हम आप से क्षमाप्रार्थी है।

शुभेच्छु

रामगोपाल बागला

महासचिव

पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन

पथ प्रदर्शक

समाज विकास हेतु समाज विकास का विगत ६२ वर्षों का योगदान निश्चयात्मक रूप से अभूतपूर्व है। समाज विकास पत्रिका क्रान्त दृष्टा ऋषि की तरह पथ प्रदर्शक का कार्य भी करती है, और पथ प्रशस्त भी।

दीनदयाल ओझा

जैसलमेर

सराहनीय प्रस्तुति

पूरी सजधज से समाज विकास पत्रिका का नविनांक - जुलाई २०११ मिला। बहुत प्रसन्नता हुई। हार्दिक धन्यवाद। हरियाणा से दूर रहते हुऐ भी समाज विकास मे आप हरियाणा के भी समाचारों को प्रमुखता से प्रकाशित करते है। यह बड़ी उदारता पूर्ण सराहनीय प्रस्तुति है। कृपया इस समाज में हमारी ओर से हार्दिक बधाई एवं अनेकानेक शुभकामनायें सहृदयतापूर्वक सहर्ष स्वीकारें। समाज विकास में कहानी, लघुकथा, हंसगुल्लें आदि का समावेश करके इसकी रोचकता और लोकप्रियता में अत्यधिक वृद्धि कर दी है। अन्य अनेक कॉलम भी बड़े उपयोगी है विचारोतेजक महापुरुषों के विचार समाज विकास की विशेषता है। विश्वास है समाज मे समाज विकास का व्यपक प्रचार एवं प्रसार होगा। अग्रिम धन्यवाद सहित आगामी अंक की प्रतीक्षा में।

आपका

पण्डित बी. एन. मुद्गिल

रोहतक, हरियाणा

बधाई

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा प्रकाशित समाज का मुखपृस्ठ "समाज-विकास" के संस्करणों में दिन-प्रतिदिन उन्नति हो रही है। अन्नाजी से संबंधित प्रकरण को इस पत्रिका ने अच्छा उजागर किया है, जो आवश्यक था और मारवाड़ी समाज इससे अछूता नहीं रहा – यह प्रशंसनीय है। कई मुद्दो पर खुलकर चर्चा होना और पत्रिका के द्वारा जन-मानस तक पहुँचाना – एक "सेतु" का कार्य है और समय-समय पर जागरुक होते हुए जागरुकता का परिचय देना भी अदम्य साहस एवं हृदय की विशालता का परिचायक है।

"समाज विकास" एवं सम्मेलन से जुड़े समाज – सेवकों को मैं बधाई देती हूँ और समाज की ध्वज-पताका को फहराने का दायित्व सवल, सुदृढ़ एवं बुद्धिजीवी समाजसेवकों के हाथों में रहें – यही मेरी मनोकामना है।

प्रेमलता खंडेलवाल

गुवाहाटी, आसाम

WONDER GROUP
wonder images
one city. one machine. one colour.
Wonder Images
PVT. LTD.
Wonder Images is an ISO 9001 : 2008 certified company with focus on printing for indoor and outdoor advertising across flex, P/E and PVC mediums with printing capacity of 100,000 sq.ft per day.
We have Five state of the art printing machines.(HP UV 2300, HP XLJET 1500, VUTEK 3360, HP LATEX L 65500 & HP Designjet 5500 PS)
Indoor & Outdoor SOLUTIONS
• Front-lit-flex
• Back-lit-flex
• Woven P/E
• Self Adhesive vinyl
• Building wrap
• One way vision
• Vehicle / fleet graphics
• Floor and wall graphics
• Reflective Signage
• Frosted vinyl
• Canvas
• Translite
• Photo realistic poster paper
• Mesh, Tyvek, Yupo
only 1 in eastern India to expertise in printing on woven P/E
Hundreds of colours & media for Indoors
5 State-of -the-art printing machine
Eastern India's Largest Outdoor Printers.
Contact Us:
Amit: 09830425990
Email: amit@wondergroup.in
Works:
Tangra Industrial Estate- II
(Bengal Pottery Compound)
45, Radhanath Chowdhury Road. Kolkata – 700 015
Tel: 033- 2329 8891-92
Fax: 033- 2329 8893

सम्पादकीय

हाय! मँहगाई मार गई

– सीताराम शर्मा

अर्थशास्त्री डॉ. मनमोहन सिंह भारत की अर्थव्यवस्था की दशा एवं दिशा निर्धारित नही कर पा रहे है। एक तरफ पिछले कई महीनों से एक औद्योगिक मन्दी का दौर चल रहा है, वहीं आम आदमी कमरतोड़ महंगाई से त्रस्त है। अर्थव्यवस्था एक अजीब विभेद के दौर से गुजर रही है। सीमेन्ट, इस्पात, गाड़ियों की बिक्री में एक लगातार गिरावट देखने को मिल रही है। शेयर बाजार ठण्डा है। कम्पनियों की बैलेन्स सीट में लाभ के आंकडे निराशाजनक है। देशी एवं विदेशी निवेश दोनों में कमी आ रही है। आश्चर्यजनक रूप से गत एक वर्ष में देश के चार बड़े औद्योगिक घरानों ने देश से दुगनी राशि विदेश में निवेश की है। वित्तमंत्री प्रणव मुखर्जी इसे 'वैश्विक अर्थव्यवस्था' में पूँजी के पलायन की बजाय साधारण स्थिति समझते है। स्पष्टतः निवेशक देश की बजाय विदेशों मे पूंजी पर अधिक लाभ देख रहे है।

दूसरी ओर मांग में गिरावट एवं औद्योगिक मन्दी के बावजूद कीमतें आसमान छू रही है। रिजर्व बैंक ब्याज की दर लगातार बढ़ा रहा है – शायद महंगाई पर अंकुश लगाने के लिये। महंगाई तो थम नहीं रही है, बढ़ती ब्याज दर के चलते घर-कर्ज पर ब्याज का भार लगातार बढ़ रहा है। देखते-देखते ७ या ८ प्रतिशत से घर कर्ज पर ब्याज १२-१३ प्रतिशत तक पहुंच गया है। आम आदमी विशेषकर नौकरीपेशा व्यक्ति के लिये महीने की किश्त चुकाना कठिन होता जा रहा है। इसके चलते कर्ज डूबने की सम्भावना बढ़ती जा रही है।

उद्योग में निवेश की कमी का कारण भी महंगी पूंजी है। इस बढ़े हुए ब्याज की दर पर लाभ कमाने की सम्भावना कम है। राजनैतिक संकट एवं अनिश्चितता के माहौल में कठोर एवं दूरगामी आर्थिक निर्णय संभव नहीं दिख रहे है। युपीए द्वितीय की सरकार घोटाले पर घोटाले से घिरी हुई है। विरोध के चलते संसद प्रायः ठप्प हो गयी है। सरकार एक राजनैतिक अनिर्णय की स्थिति में है। विरोधी दल हावी हो रहे है। सरकार एवं सत्तारूढ़ कांग्रेस दल के बीच विरोधाभास की स्थिति दिख रही है। इतना ही नही सरकार के मंत्री भी विभाजित दिखते है।

अन्ना हजारे के आन्दोलन पर सरकार का रवैया इसका ज्वलन्त उदाहरण है। गृहमंत्री चिदम्बरम एवं वित्तमंत्री प्रणव मुखर्जी के बीच का मत-विरोध अब कोई गुप्त नहीं रहा है। प्रधान मंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की चुप्पी असहनीय होती जा रही है। श्रीमती सोनिया गांधी की 'रहस्यमयी' बीमारी ने स्थिति को बदतर बना दिया है।

स्पष्टतः मनमोहन सिंह के नियंत्रण मे कुछ नहीं दिख रहा है। वे सरकार के मुखिया भले ही हों, मगर फैसले दश जनपथ से लिये जाते है। सोनिया गांधी संपूर्ण अधिकारयुक्त है लेकिन उनकी कोई जवाबदेही नहीं है। जिन प्रधानमंत्री की जवाबदेही है उन्हें एक तिनका भी इधर से उधर करने का अधिकार नहीं है। इसके चलते मनमोहन सिंह अपनी स्वच्छ और ईमानदार छवि से बाहर निकलते नजर आ रहे है।

सरकार प्रत्येक २-३ महिने में तेल का दाम बढ़ा रही है जो आम आदमी की सहनशीलता को ोअब चुनौती दे रहा है। गैस के दाम भी पुनः बढ़ने के आसार है। सरकार तेल कम्पनियों पर दोषारोपण कर पल्ला झाड़ने का असफल प्रयास कर रही है। विश्व के अधिकतर एवं दक्षिण एशिया के सभी देशों से महंगा तेल भारत मे बिकता है। केन्द्र एवं राज्य सरकार इसके लिये एक दूसरे को दोषी ठहरा रहे है। महंगाई बर्दाश्त की सभी सीमा लांघ चुकी है।

इस माहौल में लगातार भ्रष्टाचार के आरोप निराशा पैदा करते है। सरकार की विश्वसनीयता में गिरावट आज सबसे नीचे स्तर पर है। अर्थनीति राजनैतिक दांव-पेंच की दासी होकर रह गयी है। अल्पसंख्यक सरकार का एक ही उद्देश्य बच गया है कि राजनैतिक दांव-पेंच एवं लेन-देन के आधार पर ऐन-केन प्रकारेण सरकार को बचाकर रखना। संसद में सांसदों की खरीद-फरोख्त का मामला अब कोर्ट मे विचाराधीन है।

देश की आबादी का ३० प्रतिशत हिस्सा आज भी गरीबी की रेखा के नीचे है। खाद्यान्न - गेहूं एवं चावल के दाम आसमान छू रहे है लेकिन निर्यात जारी है। कृषि क्षेत्र में विकास की दर लगातार नीचे गिर रही है। काले धन पर सरकार अंकुश लगाने में पूरी तरह असफल रही है। सबसे अधिक निराशा की बात है कि सरकार काला धन के विरुद्ध गम्भीर नहीं दिख रही है। अन्ना हजारे को प्राप्त अभूतपूर्व जन समर्थन, विशेषकर युवा वर्ग का, इस तथ्य को स्थापित करता है। देश राजनैतिक एवं आर्थिक संकट से घिरता नजर आ रहा है। कोई स्पष्ट तस्वीर नहीं उभर रही है।

यूपीए द्वितीय की सरकार की लोकप्रियता में लगातार गिरावट आ रही है। प्रधान मंत्री का यह कहना – "वे दोषी है लेकिन उतने नहीं जितना उन्हें दिखाया जा रहा है।" ये लाचारी के शब्द हैं। सरकार अपने ही आचरण के चलते साख गंवाती जा रही है। भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरी सरकार, गठबंधन की मजबूरी के सहारे नही बचती दिखती है। क्या देश समय से पहले आम लोकसभा चुनाव की ओर बढ़ रहा है? क्या २०१२ मे सरकार में परिवर्त्तन होगा? नरेन्द्र मोदी का अनशन प्रधान मंत्री बनने की तैयारी का संकेत देता है – भाजपा के कई नेता आडवानी की रथ यात्रा, सुषमा स्वराज एवं अरुण जेटली का घमासान राजनैतिक उठा-पटक इंगित करता है। इस बीच आम आदमी कराह रहा है – हाय, महंगाई मार गई।

मारवाड़ी समाज करे पुकार, लिखकर भेजे अपने विचार!

"हमारी समस्याएँ, आपका समाधान !!"

क्या आप नहीं सोचते कि अब समय आ गया है एक ऐसी सामाजिक क्रांति का, आन्दोलन का और परिवर्तन का तथा नयी सोच, नये चिन्तन एवं पुनर्वालोकन का? आईए! युवा शक्ति के साथ मिलकर, हम सब एक नये समाज का चिंतन करें जो समाज को नई दिशा प्रदान करें।

विवाह, जन्म दिन, रजत जयन्ती के साथ-साथ अब तो धार्मिक आयोजन भी अत्यधिक खर्चीले व आडम्बरयुक्त होने लगे है। इन पर गंभीर चिंतन आवश्यक है। मृतक संस्कार पर, भयग्रस्त होकर हम मजबूरन ऐसे खर्च करते है, इस पर भी धार्मिक/सामाजिक चर्चा की आवश्यकता है। अतः आपसे निवेदन है कि निर्भय होकर पूर्ण स्वतंत्रता के साथ अपने विचार लिखकर भेजे। इसमें सभी भाग ले सकते है।

सर्वश्रेष्ठ दस (१०) रचनाओं को पुरस्कृत एवं "समाज विकास" में प्रकाशित किया जायेगा और साथ ही पुरस्कार भी।

आप अपना नाम, पता, टेलिफोन नम्बर, ग्रूप A/B/C लिफाफे पर अवश्य लिखें।

उम्र सीमा – 16-35 Group A, उम्र सीमा –35-55 Group B, उम्र सीमा – 55 Above Group C

जमा करने की अन्तिम तिथि ३० नवम्बर २०११

इस पते पर प्रेषित करें :

अध्यक्ष

समाज सुधार उपसमिति

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

१५२बी, महात्मा गाँधी रोड, कोलकाता-७००००७

फोन-फैक्स – ०३३-२२६८०३१९

अध्यक्षीय

प्रेम-सादगी के साथ भगवान से बात करें

– हरि प्रसाद कानोड़िया

हम यदि प्रयास करें तो ईश्वर के साथ रह सकते है और उनसे बात कर सकते हैं। हमे संत होने की जरूरत नहीं है। गृहस्थ जीवन, सादगी, भागवत प्रेम, सेवा उच्चतम है। भगवान श्री कृष्ण ने अपने मित्र, शिष्य अर्जुन से कहें है कि त्याग का अर्थ होता है, अपनी इच्छा को त्यागना। कर्म के फल की कामना नही करना है। महाराज जनक राजा थे, उनके पास राज्य की सारी सुख सुवीधा थी। फिर भी वे एक योगी की तरह जीवन यापन करते थे।

ब्रह्मण्य आधाय कर्माणि सङ्गं त्यक्त्वा करोति यः।
लिप्यते न स पापेन पद्मपत्रम् हवाम्भसा।।१०।। अध्याय ५

अर्थात् जो व्यक्ति कर्मफलों को परमेश्वर को समर्पित करके आसक्तिरहित होकर अपना कर्म करता है, वह पापकर्मो से उसी प्रकार अप्रभवित रहता है, जिस प्रकार कमलपत्र जलाशय के कीचड़ जल से। एक कर्म योगी को कर्म करने में खुशी मिलती है, क्योकि वह फल की आशा नहीं करता है। अपना काम निरंतर करते रहता है। जो व्यक्ति फल की इच्छा लेकर कार्य करते है, वे स्वार्थी और मतलबी हो जाते है।

युक्त कर्मफल त्यक्त्वा शान्तिम् आप्नोति नैष्ठिकीम्।
अयुकनः कामकारेण फले सक्तो निबध्यते।।१२।। अध्याय ५

यानि निश्चल भक्ति शान्ति प्रदान करती है। जो व्यक्ति कर्म का फल चाहते है, वे बंध जाते है और वह व्यक्ति त्यागी नहीं होते है। ईश्वर में प्रेम भावना नही रहती है। सच्चे भक्त कर्म करते है, वे फल की इच्छा नही करते है। वे भगवान को चाहते है, उनको पाना चाहते है, उनसे बात करना चाहते है और उनके साथ रहना चाहते है।

St. Augustine कहते है कि हम ईश्वर के पास अपने पैर पे चल कर नहीं जाते है, बल्कि आत्मा के स्नेह से ईश्वर के पास जाते है। जिस तरह सिद्धार्थ शाश्वत सत्य और परम खुशी की खोज में सब कुछ त्याग कर भगवान बुध बनें उसी प्रकार आज भी प्रगति व विकास के लिए खोज जारी है। वह व्यक्ति जो भगवान को पा चुकें है और उनसे बात कर चुकें हैं, उस व्यक्ति के लिए उनकी खोज समाप्त हो गयी है।

बाइबल में हम पढ़ते हैं, कि भगवान ने इन्सान को अपने रूप मे ही बनाया है। Jesus ने त्रिमूर्ति की बात कही है। जिसके तीन अंश परमात्मा, पिता और पुत्र हैं। ईश्वर चेतना बुद्धि, सर्वज्ञानी और सर्वव्यापी है। हिन्दुओं के वेद में जाता है, भगवान अकेले थे और वह अकेलापन महसूस कर रहे थे। तब भगवान ने अपनी इच्छाशक्ति से सृष्टि की रचना की। ईश्वर अपनी सृष्टि का आनंद लेना चाहते है। ईश्वर महान ऊर्जा अथवा ब्रह्मांडीय चेतना के माध्यम से खेलते है। चेतना का अर्थ है, खुद के बारे मे जागरूक होना। विभिन्न धर्म के शास्त्रों में लिखा है कि लोगों ने भगवान से वार्तालाप की है और उनके साथ रहे है। भगवान व्यक्तिगत और अव्यक्तिगत रूप में है। वे प्रकट होते है विभिन्न रूपों में, प्रकाश के रूप में, और वह कंपन के माध्यम से बोलते हैं। निर्माण के समय दुनिया शून्य थी। तभी वहां कंपन हुआ और एक आवाज आई "ओम, आमीन, अमीन"।

भगवान ने मानव और शेर शरीर का रूप धारण कर अफने भक्त प्रह्लाद कि रक्षा की। भगवान विष्णु ने अपने भक्त ध्रुव को आशीर्वाद दिये। संत व्यास जी ने भगवान गणेश जी को वेद लिखाये थे। भगवान शिव जो त्रिदेवों के एक अंश है, उन्होने अपने भक्तों को आशीर्वाद दिया है। स्वामी विवेकानंद जी के अनुसार हिन्दु धर्म ही सारे धर्मों की जननी है। संत तुलसी दास जी कहते है, ईश्वर साकार और निराकार है।

मोसस के बारे मे कहा जाता है, उनमें स्थिरता है, और वे खुद के बारे में नही सोच कर मानवता के कल्याण के विषय में चिन्तत करते थे हब्रू बाइबिल के अनुसार – भगवान मोसस के साथ बात कियें। भगवान सोलोमन के सपने में आयें और उनसे पूछे तुम्हें क्या चाहिए। सोलोमन बोले आप मुझें दूसरों का दर्द समझने वाला हृदय दीजिए।

इस पर भगवान कहते है, तुम अपने लिये लम्बी आयु नहीं मांगे, धन नहीं मांगे, अपने दुशमनों का अंत नही मांगे। तुम अपने लिए कुछ नहीं मांग कर दूसरों के विचारों को समझने का हृदय मांगे। मैं तुम्हारी इच्छा के अनुसार दूसरों को समझने का हृदय उपहार करता हूं और वह धन-धान्य आदि जिसकी अभिलाषा तुमने नही की सभी कुछ दे रहा हूं।

बाइबल में जोब को भगवान के प्यार के लिए परीक्षण पर रखा गया था। उनके बच्चों को उनसे अलग कर दिया गया और उनको रोग भी दिया गया। उनकी पत्नी और मित्र उनका भगवान के प्रति प्रेम और विश्वास देखकर उनकी हंसी उड़ाते थे। फिर भी वे भगवान के लिए लगातार विश्वास बनायें रखे। वे कहते थे एक दिन भगवान आयेंगे और उनकी सारी पीड़ा दूर कर देंगे। अंतः एक दिन भगवान आयें और उन्हें प्यार, खुशी, लम्बी आयु और धन का वर दिये। भगवान वादा करते हैं कि वे हमसे जरूर बात करेंगे। यदि हम हृदय से उनसे प्रेम करते हुए एवं सादगी मे रहते हुए सेवा करते रहेंगे तब हम जरूर उन्हें देख पायेंगे। वे सदा हमारे साथ रहते है और हमें भी उनको हमेशा याद रखना है। हमारा विश्वास और प्रेम भगवान को हमसे प्यार करने में मजबूर करता हैं। अगर हम भगवान को त्याग देंगे तो भी भगवान हमें त्यागे नहीं। हम उनके बच्चे है, ऐसा कहा जाता है कि भगवान हमारे दल मे रहते है। किन्तु मनुष्य उन्हे खोज नहीं पाता है। कोई भी मनुष्य अपने मन की आवाज से यदि भगवान को याद करे तो भगवान उसकी सहायता तथा देखभाल के लिये हमेशा तैयार रहते है। इसका परम उदाहरण भगवान श्री कृष्ण ने अर्जुन के प्रति व्यक्त किया है। उन्होंने स्वयम् अर्जुन को अपना विराट रूप दिखाया। उसे सदा अपनी शरण मे रख कर उनका उद्धार कियें।

मोहम्मद पैगंबर, अहुरा मज्दा, गौतम बुद्ध, चैतन्य महाप्रभु, मीरा, कबीर, सूरदास, परमहंस, योगदानंदा, बामाखापा, राधाकृष्णा ने अपने अपने प्रिय भगवान के साथ बात की है और साथ रहे हैं।

परमहंस योगानंद अपनी आत्मकथा मे लिखें है कि वे कई अवसरों पर भगवान से बात किये है। बचपन मे उन्होंने भगवान की आवाज सुनी थी। एक दिन वह अपने घर पर बिस्तर पर बैठे हुए थे, तो वे प्रेम भाव में थे। वे मन की आंखो से एक रोशनी देखे और उन्हे एक दृश्य दिखाई दिया कि पहाड़ों की गुफाओं मे संत लोग तपस्या कर रहे है। पहली बार रामकृष्ण परमहंस अपने बचपन मे चावल के खेत में भगवान का अस्तित्व महसूस कियें थे। वे खेत मे चल रहे थे। अचानक वहां एक दिव्य रोशनी उनके अंतर मन पर पड़ी। वे उस समय बेहोश होकर गिर पड़े। रामकृष्ण परमहंस मां काली से सिर्फ बात ही नहीं करते बल्कि अपने हाथों से खिलाये भी थे। वे अपने शिष्य को बोलते थे। मैने भगवान को देखा हैं। उनसे बात करता हूं। जिस तरह तुम लोगों के साथ करता हूं। वे कहते थे भगवान को ऐसे प्यार करना चाहिये जैसे मां अपने बच्चों से, पत्नी अपने पति से कोई व्यक्ति अपने धन - दोलत से प्यार करता है। उसी प्रकार भगवान को गहराई से बेचैनी और जिज्ञासा से प्यार करना चाहिए। तभी हम भगवान को देख सकते है और उनसे बात कर सकते है।

एक बार जब रामकृष्ण अपने काशीपुर गार्डेन के घर पर बीमार थे तब पवित्र मां शारदा देवी बहुत बेचैन थी। उस दिन वह देखी – एक काले बालों वाली सांवले रंग की लड़की आई और उनके पास बैठी। उनकों देखते ही समझ मे आ गया यह तो मां काली है। और वे चौंक के बोली :

ओह! मां आप आ गई। मां काली बोली, हां मै दक्षिणेश्वर से आई हूं।

कुछ देर बाद पवित्र मां शारदा देवी देखी उनका गर्दन एक तरफ झुका हुआ हैं। उनसे इसकी वजह पूछी। मां काली बोली कि उनके गले में खुराश है, मेरे मालिक के गले मे भी खड़ास है, और आप के गले मे भी। मां काली बोली – यह सत्य है। इस पर पवित्र मां को मां काली ने समझाया, रामकृष्ण और मै एक ही है। बंद आंख के पीछे कोई अंधेरा नहीं होता है, यह आध्यात्मिक प्रकाश है। यह भगवान के प्रकाश है। उसी प्रकाश मे मां को देखों। यदि तुम एक छोटी सी प्रार्थना करते हो तो भगवान नहीं जाते है। एक तोता की तरह मंत्र का जाप करने से नहीं आते।

प्रेम की गहराई और बेचैनी होगी तो मां काली तभी प्रकट होगी। तुम उस तरह से रो जिस तरह कोई खोया हुआ बच्चा अपनी मां के लिए होता है। वैसे रोना है, जिस तरह डूबता हुआ व्यक्ति अपने को बचाने के लिये पुकारता है। तब मां काली आयेगी। मां हमारे प्यार के लिए तरसती है।

हिन्दुशास्त्र के अनुसार बतलाया गया है कि अगर एक दिन एक रात बिना किसी रुकावट के भगवान को याद करें तो वह जवाब देंगे। स्वामी विवेकानंद अत्यंत गरीबी की अवस्था में थे। उनके पास अपने परिवार के लिये भोजन भी नहीं था। रामकृष्ण के कहने पर स्वामी विवेकानंद मां काली के पास गए। वे मां से कुछ मांग नहीं सके। वे बोले – हे मां मुझे अपना प्यार, ज्ञान और विवेचन शक्ति दो। मां काली ने उन्हें ये सब कुछ दिया। रामकृष्ण कहते है, यदि कोई इन्सान भगवान का नाम ले तो उसका शरीर मन और सब कुछ शून्य हो जाता है।

महत्वपूर्ण योगदानों के बावजूद मारवाड़ी समाज की गलत छवि क्यों?

मारवाड़ियों का इस महानगर में सौ वर्षो से भी पुराना एक गौरवशाली इतिहास है। सच तो यह है कि मारवाड़ियों की वजह से ही इस महानगर की शान भी है। और सिर्फ कोलकाता की ही बात क्यों करें? देश के कोने-कोने में छाये है मारवाड़ी? बड़े-बड़े उद्योग धंधे, कल-कारखानों से लेकर व्यवसाय के ही नहीं बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, कला-सौंदर्य, साहित्य, राजनीति आदि के क्षेत्रों में भी हिन्दीभाषी मारवाड़ियों का महत्वपूर्ण योगदान है और इसे नकरा नहीं जा सकता। आज से लगभग

आज से लगभग ५०-६० वर्षो पूर्व मारवाड़ियों की सिर्फ एक व्यवसायिक भूमिका थी और संभवतः मारवाड़ियों के लिए 'बनिया' शब्द का प्रचलन भी तभी से बढ़ा लेकिन आज का मारवाड़ी वो पुराना वाला बनिया नहीं रहा बल्कि बड़े-बड़े उद्योग-धंधों के द्वारा रोजगार के अवसर प्रदान कर देश चला रहा है। वकालत, डॉक्टरी आदि ने साथ-साथ मारवाड़ी आज प्रशासनिक सेवाओं में भी एक कदम आगे है।

५०-६० वर्षो पूर्व मारवाड़ियों की सिर्फ एक व्यवसायिक भूमिका थी और संभवतः मारवाड़ियों के लिए 'बनिया' शब्द का प्रचलन भी तभी से बढ़ा लेकिन आज का मारवाड़ी वो पुराना वाला बनिया नहीं रहा बल्कि बड़े-बड़े उद्योग-धंधों के द्वारा रोजगार के अवसर प्रदान कर देश चला रहा है। वकालत, डॉक्टरी आदि ने साथ-साथ मारवाड़ी आज प्रशासनिक सेवाओं में भी एक कदम आगे है।

संतोष सराफ
महामंत्री

किंतु यह मारवाड़ी समाज का दुर्भाग्य है कि फिल्मों में आज भी मारवाड़ी समाज की एक बनिये की भूमिका ही नजर आती है, कभी कंजूस बनिये के रूप में मारवाड़ी को दर्शाया जाता है तो कभी भ्रष्टाचार के कर्णधार के रूप में, जो कि सरासर गलत है। उल्लेखनीय है कि मारवाड़ी समाज की यह एक गलत छवि है जबकि मारवाड़ी तो शुरु से ही धार्मिक व सेवाभावी रहा है। सेवा के क्षेत्र में इनका आज भी कोई सानी नहीं। दरकार पड़ी तो लाखों-करोड़ों दान कर सकते है। बड़े-बड़े स्कूल-कॉलेज, अस्पताल, धर्मशाला आदि के माध्यम से सेवा के विभिन्न क्षेत्रों मे समर्पित मारवाड़ी का फिल्म जगत जिस-प्रकार से गलत मूल्यांकन कर रहा है उसका विरोध होना चाहिये। खास बात तो यह है कि आज फिल्म जगत में भी अधिकतर पैसा (धन) मारवाड़ियों का ही लगा है बावजूद, फिल्मों में मारवाड़ी को उसी पुरानी भूमिका मे पेश किया जा रहा है? देश की आजादी में भी मारवाड़ियों की एक अहम् भूमिका रही है। मारवाड़ी सेठों की देश सेवा एवं देश प्रेम को नकरा नहीं जा सकता। सेठ घनश्याम दास बिड़ला, सेठ जमुनालाल बजाज आदि ने देश सेवा में समर्पित भाव से क्रान्तिकरियों को न सिर्फ धन मुहैका कराया बल्कि समय-असमय संरक्षण भी दिया। ऐसे मारवाड़ियों को हमारे फिल्म जगत् ने आज भी एक पुरानी पोशाक पहना रखी है, जो गलत है और इसका अब खुलकर विरोध होना चाहिए अथवा फिल्मकार स्वयं इस सच को स्वीकार कर मारवाड़ी समुदाय की उचित व सही छवि पेश करें।

समाज विकास में वर-वधू परिचय

आपकी पत्रिका 'समाज विकास' ने एक नये 'वर-वधू परिचय' स्तम्भ के अन्तर्गत वैवाहिक सम्बंधों हेतु संक्षिप्त वर-वधू परिचय का निःशुल्क प्रकाशन आरम्भ किया है।

इच्छुक अभिभावकों से अपने विवाह योग्य पुत्र-पुत्री का नाम, शिक्षा, उम्र, जाति, गौत्र, कद, रंग आदि विवरण सम्पादक, समाज विकास, १५२बी, महात्मा गांधी रोड, कोलकाता - ७००००७, फोन व फैक्स ०३३-२२६८ ०३१९ के नाम आमंत्रित है।

Amazing offer to all

Business Economics

Net Marketing. Be an Agent. Enroll at Rs. 500/-
Earn 25% commission or get following gift items:

Digital Camera
10 Subscribers for 3 years

80 Subscribers for 3 years
Complementary BBA/BCA Course Rs. 75,000 from IISD

Desktop Computer
30 Subscribers for 3 years

Laptop Computer
40 Subscribers for 3 years

Mobile Phone
5 Subscribers for 3 years

2GB Pen Drive
OR
Over night travel bag worth ₹ 360/-
for 1 year subscription

100 Subscribers for 3 years
Complementary
MBA Course Rs, 85,000 from IISD

Subscribe Business Economics :

Tick	Term	No. of Issues	Price you pay	Gift Value	Saving	US $	UK £	Gift Option
☐	3 Years	72	1080/-	1080/-	1080/-	144	72	☐ Tie +2GB Pen Drive OR ☐ 8GB Pen Drive ☐ Books
☐	1 Year	24	360/-	360/-	360/-	48	24	☐ 2GB Pen Drive OR ☐ Bag OR ☐ Books
☐	1 Year	24 + Anniversary Issue (Worth ₹ 50)	120/-	NIL	290/-	-	-	☐ Exclusively for Students
☐	1 Year	24 + Anniversary Issue (Worth ₹ 50)	120/-	NIL	290/-	-	-	☐ EXCLUSIVELY FOR SENIOR CITIZENS

A subscriber can buy any latest Book at 15% discount and/or indent against subscription as complementary

Business Economics — Subscription Form

Name : Mr./Ms. ____________________

Address : ____________________

City/District : ____________________

State : ____________ Country : ____________ Pin Code : ☐☐☐☐☐☐

E-mail : ____________ Mobile : ____________ Landline : ____________ STD CODE

REMITTANCE DETAILS :

Enclosed Cheque / DD No. ____________ dated: ________ for Rs. ________ drawn on: ____________

In favour of CONTEMPORARY NEWS PRIVATE LIMITED

Signature: ____________________ date: ____________

Mail this subscription form along with your Cheque / DD to : Pramod Kr. Singh, General Manager, **Business Economics**, 3, Middle Road, Hastings, Kolkata - 700 022, India
Ph : 033 - 2223 0335/0368, Mobile : 93395 19642, E-mail : subscriptions@businesseconomics.in

For Subscription enquiries contact : Kolkata : Shaonli Majumder : 033 2223-0368 • **Mumbai :** Rajendra Singh : 90290 84951
New Delhi : Lala P. Yadav : 98102 10095 • **Kohima :** Povotso Lohe : 94360 05889

अखिल भारतीय समिति की बैठक में

नयी शाखा, सदस्यता एवं फिजूलखर्ची पर सार्थक बहस

अखिल भारतीवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की अखिल भारतीय समिति की बैठक गत ३ सितम्बर २०११ को भुवनेश्वर (उड़िसा) के जयदेव भवन में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता की सम्मेलन सभापति श्री हरिप्रसाद कानोड़िया ने। अपने विचार व्यक्त करते हुए श्री कानोड़िया ने शादी समारोह में फिजूलखर्ची रोकने पर बल दिया एवं समाज में फैली कुरीतियों को दूर करने का आहवान किया। अमेरिका का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि सादगी नहीं बरतने की वजह से ही आज वो (अमेरिका) कर्ज में डूबा है। श्री कानोड़िया ने वर्तमान सदस्यता पर असंतोष व्यक्त करते हुए कहा कि सम्मेलन के अखिल भारतीय समाज को देखते हुए इसकी सदस्यता में इजाफा जरुरी है। इसके लिए उन्होंने उपस्थित सदस्यों से भी आग्रह किया। सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा ने कहा कि सम्मेलन प्रांतों, जिलों एवं नगर शाखाओं में बसता है। प्रांतों से ही केंद्रीय सम्मेलन को उर्जा मिलती है। इसे कई बार दोहराया जा चुका है। प्रांत सक्रिय होने पर केंद्र भी सक्रिय रहेगा। श्री शर्मा ने कहा कि सम्मेलन समाज की अन्य संस्थाओं से भिन्न है। अपने गुणों के साथ हम अपनी खांमियों पर भी चर्चा और चिंतन करते है। समरसता हमारे समाज का गुण है। देश के विभिन्न प्रांतों में हमलोग एकमात्र मारवाड़ी के नाम से जाने जाते है।

श्री शर्मा ने कहा कि समाज तेजी से बदल रहा है। अब यह सिर्फ व्यवसायिक समाज नहीं रहा बल्कि समाज में अब वकील, डॉक्टर, प्रोफेसर, प्रशासनिक अधिकारी व अन्य सम्मानजनक पेशे के लोग भी है। युवक-युवतियां अंतर्जातीय विवाह की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि मारवाड़ी युवा मंच एवं मारवाड़ी महिला मंच को साथ ले समाज सुधार की दिशा में कार्य किया जा सकता है। उच्च शिक्षा कोष का गठन मेधावी छात्रो को अनुदान हेतु किया गया है।

राष्ट्रीय महामंत्री श्री संतोष सराफ ने महामंत्री की रिपोर्ट पढ़ी तथा राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री आत्माराम सौंथलिया ने आय-व्यय का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। उपस्थित सदस्यों की सहमति से गत बैठक की कार्यवाही पारित की गयी।

सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्याय श्री रामअवतार पोद्दार ने कहा कि दिल्ली अधिवेशन के दौरान एकल सदस्यता पर निर्णय हुआ था लेकिन इस पर गतिरोध बरकरार है। कुछ प्रांत एकल सदस्यता के पक्ष में है तो कुछ इसे नहीं चाहते। श्री पोद्दार ने बताया कि उत्तरांचल में नयी शाखा गठित हुई है। गुजरात में नयी शाखा खोलने के लिए प्रयास किये जा रहे है। नयी शाखा खोलने एवं सदस्यता बढ़ाने के लिए श्री पोद्दार ने उपस्थित सदस्यों से सुझाव देने का भी आग्रह किया।

मारवाड़ी युवा मंच के अध्यक्ष श्री जितेन्द्र गुप्ता ने कहा कि सम्मेलन समाज की पुरानी संस्था है एवं अपने स्थापत्य काल से ही समाजहित में लगी है। अन्ना हजारे के सफल आंदोलन में भी दो मारवाड़ी शामिल थे। यह गौरव की बात है। दोनों युवा मंच से भी जुड़े है।

पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री विजय गुजरवासिया ने कहा कि समाज को संगठित करने के लिए एकल सदस्यता पर विचार किया जाना चाहिए। श्री रामानन्द अग्रवाल,

दहेज की बलिवेदी पर एक और भेंट चढ़ी

आरती की कटक में रहस्यमय मौत? आरती को जलाकर मारा गया?

सास-ससुर, पति हिरासत में, रतनलाल भामा एवं परिवार के सामाजिक बहिष्कार का आह्वान

कोलकाता निवासी कालूरामजी सिरसीवाल की वहन परमेश्वरी देवी कड़ेल की पुत्री आरती (सुपुत्री स्व. दिनेश कुमारजी कड़ेल) का विवाह गत १० दिसम्बर २००९ को कटक निवासी रतनलाल भामा के पुत्र दीपक भामा के साथ कोलकाता के शोभाराम बैशाख स्ट्रीट (बड़ाबाजार) स्थित राजस्थान ब्राह्मण संघ के सभागार में सम्पन्न हुआ था। आरती के पिता का स्वर्गवास हो जाने के कारण ननिहाल पक्ष कालूरामजी सिरसीवाल एवं परिवार ने शादी की थी। शादी के बाद १८ फरवरी २०११ को दीपक-आरती (दम्पत्ति) को पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई। शादी के बाद से आरती के ससुर रतनलाल भामा एवं उनके परिवारजनों द्वारा दहेज के रूप में मांग को अपनी क्षमता के अनुसार आरती के मामाजी कालुरामजी सिरसीवाल एवं उनके पुत्र दिलीप, अशोक, मदन देते रहे। मदन सिरसीवाल ने बताया कि शादी में तकरीवन पाँच लाख रूपये से अधिक खर्च हुआ था। आरती के ससुर रतनलाल भामा एवं उनके परिवार की दहेज की सभी मांगों को पूरा करना आर्थिक रूप से संभव नहीं था। आरती ने फोन पर कई वार जानकारी दी कि ससुर रतनलाल शराब का सेवन करता है तथा उसका अशोभनीय आचरण है। गत कई महीनों में सास पुष्पादेवी भामा द्वारा झगड़ा किये जाने एवं पति दीपक तथा देवर प्रकाश द्वारा मारने-पीटने की शिकायत भी आरती ने सिरसीवाल परिवार (मामा) से की। गत ९ सितम्ब २०११ की शाम को आरती के देवर प्रकाश ने फोन पर आरती को कोलकाता ले जाने को कहा। उसी दिन रात्रि में ससुर रतनलाल ने फोन पर आरती से बात कराई तथा आरती को कोलकाता नहीं ले जाने पर अप्रिय घटना होने का अंदेशा जताया। अगले दिन १० सितम्बर २०११ को प्रातः ६ बजे रतनलाल भामा ने आरती द्वारा किरासन तेल गिराकर आग से मर जाने की खबर दी। खबर मिलते ही कोलकाता से मदन सिरसीवाल, विकास नारनोली (आरती की बहन पूजा के पति), अशोक सिरसीवाल कटक पहुँचे एवं अस्पताल में आरती की जली हुई लाश देखकर उनके रोंगटे खड़े हो गये। अस्पताल में आरती के गर्भवती होने की भी जानकारी मिली। कटक के स्थानीय थाना में आरती के मौसाजी के पुत्र रमेश वर्मा (ववेरवाल) ने आरती के ससुर रतनलाल भामा, सास पुष्पादेवी भामा, पति दीपक भामा के खिलाफ प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज की। पुलिस ने कार्यवाही करते हुए रतनलाल भामा, पुष्पादेवी भामा, दीपक भामा को गिरफ्तार किया। श्री मैढ़ क्षत्रिय समाज, कटक (ओडीसा) के अध्यक्ष श्री सत्यनारायणजी कुल्थिया ने इस घटना की तीव्र भर्त्सना करते हुए तथा आरोपी रतनलाल भामा एवं उनके परिवार का सामाजिक बहिष्कार का आह्वान करते हुए दोषी / आरोपी व्यक्तियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने की मांग की है ताकि आरती जैसी वहनों-कन्याओं को इंसाफ मिलें तथा दहेज लोलुप परिवार ऐसी घटना की पुनरावृत्ति नहीं कर सके।

श्री रामगोपाल बागला, श्री सुरेन्द्र लाठ, श्री जगदीश चंद्र मूँधड़ा, श्री वसंत मित्तल, श्री गोपी धुवालिया, श्री सूरजमल जैन, श्री विजय डोकानिया आदि ने भी अपने विचार रखें। धन्यवाद ज्ञापन दिया सम्मेलन के संयुक्त महामंत्री श्री संजय हरलालका ने। बैठक में श्री बद्री प्रसाद भीमसारिया, श्री नंदकिशोर अग्रवाल, श्री रामनिवास शर्मा, श्री मनोज कुमार अग्रवाल, श्री राकेश कुमार पोद्दार, श्री संजय अग्रवाल, श्री शिव कुमार कयाल, श्री राधा किशोर सफर, श्री राम प्रसाद भालोटिया, श्री आत्माराम कयाल, श्री नन्दु तांईवाला, श्री प्रेमचंद सुरेलिया, श्री गोविन्द प्रसाद शर्मा, श्री गोविन्द अग्रवाल, श्री रामरतन मोदी, श्री अभय सराफ, श्रीमती अनिता खण्डेलवाल, श्री शिवशंकर दुधवेवाला, श्रीमती नीतू अग्रवाल, श्री सोनू गोलछा, श्री नकुल अग्रवाल, श्री रमानंद शाह, श्री प्रभाष चन्द्र अग्रवाल, श्री बाबुलाल अग्रवाल, श्री गौरी शंकर अग्रवाल, श्री शंकर प्रसाद जैन, श्री राजकुमार अग्रवाल, श्री ईश्वरचंद जैन, श्री विनोद कुमार केजरीवाल, श्री विजय कमार टिबड़ेवाल, श्री श्याम लाल चौधरी एवं रामपाल अग्रवाल नूतन उपस्थित थे।

समाज तथा राष्ट्र के लिए दहेज घातक : सीताराम शर्मा

आडम्बर के विरुद्ध जन-जागृति अभियान आवश्यक : सन्तोष सराफ

दहेज एवं सामाजिक कुरीतियों, आडम्बर, फिजूलखर्च का विरोध करते हुए पहला कदम द्वारा इंडिया अगेन्सट डावरी (दहेज के खिलाफ भारत) सामाजिक हेल्पलाईन नम्बर ९३३१३४८२०१ को प्रेस क्लब, कोलकाता में जारी किया गया। अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष एवं समाजचिंतक सीताराम शर्मा ने गत १० सितम्बर २०११ को कटक में स्वर्णकार समाज की आरती को जलाकर मारे जाने की घटना की निन्दा की। उन्होंने समाज तथा राष्ट्र के लिए दहेज को घातक बताया। उन्होंने कहा कि मारवाड़ी सम्मेलन तथा मारवाड़ी युवा मंच के कार्यकर्त्ता सामाजिक जागृति लाने के लिए सक्रिय हैं। उन्होंने आरती काण्ड में दोषी व्यक्तियों को कड़ी सजा दिलाये जाने के लिए हर संभव सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया।

समाजसेविका ममता बिन्नानी ने कहा कि दहेज रूपी सामाजिक अभिशाप से मात्र ८ महीने के पुत्र की माँ आरती को जलाकर मारे जाने की घटना मानवता के नाम पर कलंक है। समाज को स्वयं आत्मचिन्तन करना चाहिये। अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के महासचिव संतोष सराफ ने कहा कि विवाह जैसे पवित्र बंधन में आडम्बर फिजूलखर्च रोकने के लिए जन-जागृति अभियान को मजबूत करना होगा। राधेश्याम सोनी, दुलीचन्द ढल्ला एवं वक्ताओं ने आरती को किरासन तेल गिराकर मारे जाने की घटना में दोषी व्यक्तियों को कड़ी सजा दिये जाने की मांग की । पहला कदम के महासचिव जितेन्द्र सोनी ने कहा कि दहेज विरोधी जन-जागृति अभियान के लिए संपूर्ण भारत में संयोजन समिति बनाये जाने के लिए पहला कदम सक्रिय है।

उन्होंने कहा कि आरती को जलाकर मारे जाने की घटना शर्मनाक है। फिजूलखर्च, आडम्बर तथा दहेज से त्रस्त मध्यम वर्ग तथा गरीब परिवारों को सामाजिक न्याय दिलाने के लिए सम्पूर्ण भारत में संगठनों को पहल करनी होगी। दिलीप नारनोली, रतनलाल छापरवाल, उमाशंकर वर्मा, अभिषेक दीवान, पूनम सोनी एवं कार्यकर्त्ता सक्रिय थे।

अमृतवाणी

कल्पवृक्ष

एक बटोही घूमते-घूमते एक मैदान में पहुंचा। कड़क धूप और चलने के कारण वह थककर चूर हो गया था। थकावट दूर करने के लिए वह एक पेड़ की छांव में बैठ गया। उसने मन-ही-मन सोचा, काश मुझे इस समय नरम-नरम बिस्तर मिल जाता तो कितना अच्छा होता, मैं चैन की नींद सो जाता।

बटोही को पता नहीं था कि वह कल्पवृक्ष के नीचे बैठा है। इधर उसके मुंह से यह बात निकली, उधर सुंदर सा नरम-सा बिछौना बिछ गया।

बटोही चकित हुआ और बिस्तर पर लेट गया। उस पर आराम करते ही वह सोचने लगा कि काश इस समय कोई सुंदर-सी स्त्री आकर मेरे पांव दबा देती तो मैं सुख की नींद सो जाता।

मन में इस ख्याल के आते ही तत्काल ही एक युवती वहां आ पहुंची और उसके पैर दबाने लगी।

यह देखकर बटोही के आनंद की कोई सीमा नहीं रही। तभी उसे भूख महसूस हुई। उसने सोचा अभी तक तो मेरी सभी इच्छाएं पूरी हुई, क्या यह पूरी होगी?

इतना सोचते ही उसके सामने नाना प्रकार के व्यंजन आ गये। भरे पेट बिस्तर पर लेटकर वह सोचने लगा कि इस समय यदि बाघ आ जाए तो क्या होगा?

और उसी समय एक बाघ कूद पड़ा और बटोही को खा गया।

संसार में जीवों की भी यही दशा है। साधना करते हुए यदि विषय सुख, धन, यश, मान आदि की इच्छा की जाए तो ऐसी कामना कुछ अंशों में पूरी जरूर होती है, परन्तु बाघ का भय बना रहता है।

– रामकृष्ण परमहंस

With Best Compliments From :-

M/s ROAD CARGO MOVERS (P) LTD.

1, GIBSON LANE, 2ND FLOOR, SUIT NO :- 211
KOLKATA -700 069

Tele No. : 2210-3480, 2210-3485
Fax No. : 2231-9221
e-mail : roadcargo@vsnl.net

BRANCHES & ASSOCIATES AT

DURGAPUR, HALDIA, CHENNAI, HYDERABAD, BANGALORE, ICHAPURAM, BHIVANDI, COCHI, MUMBAI, VIJAYWADA, COIMBATORE, GAZIABAD, PONDICHERRY, VISAKHAPATNAM

पर्यटन मंत्री रछपाल सिंह की पहल

हिन्दी-भाषी स्वयंसेवी संस्थाओं की पूजा उत्सव में सक्रिय भागीदारी

"बंगाल का दुर्गा पूजा उत्सव संभवतः विश्व का सबसे बड़ा उत्सव है। बंगला-भाषी ही नहीं सभी बंगवासी इसे उत्साहपूर्वक मनाते है। सभी हिन्दीभाषी स्वयंसेवी संस्थाएं शरदोत्सव २०११ में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लें एवं स्थानीय संस्कृति के साथ समरसता का उदाहरण प्रस्तुत करें" - ये उद्गार है पश्चिम बंगाल सरकार के पर्यटन मंत्री श्री रछपाल सिंह के जो पर्यटन विभाग द्वारा आयोजित स्वयंसेवी संस्थाओं की एक बैठक को सम्बोधित कर रहे थे।

बैठक के संयोजक अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व सभापति एवं सुपरिचित सामाजिक कार्यकर्त्ता श्री सीताराम शर्मा ने कहा कि यह प्रथम अवसर है जबकि सरकार की ओर से स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों को बातचीत एवं सहयोग के लिये आमंत्रित किया गया है। २२ संस्थाओं के २६ प्रतिनिधियों ने सहयोग का हाथ बढ़ाते हुए विभिन्न प्रस्ताव रखें। पर्यटन मंत्री श्री सिंह ने प्रस्तावों का स्वागत करते हुए बैठक में उपस्थित पर्यटन विभाग के उच्च अधिकारियों को निर्देश दिया कि पर्यटन विभाग संस्थाओं के साथ मिलकर इन प्रस्तावों पर कार्य करें।

श्री सिंह ने पर्यटन विभाग द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए सभी संस्थाओं को दुर्गा पूजा के अवसर पर आयोजित पतंग उत्सव में भागीदारी के लिये आमंत्रित किया। कोलकाता के बी.बी.डी. बाग क्षेत्र में स्थित ऐतिहासिक इमारतों की चर्चा करते हुए श्री सिंह ने प्रस्ताव दिया कि एक-एक संस्था एक-एक इमारत को बिजली की रोशनी से सुसज्जित करने का भार ले सकती है। साथ ही सभी संस्थाएं अपने भवनों को रोशनी से सजायें एवं अपने-अपने सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करें। शरदोत्सव में हमें समाज के उस वर्ग का भी ख्याल रखना है जो गरीब एवं कमजोर है। उनके बीच साड़ी - कपड़े वितरित कर उनकी पूजा को भी हम सफल कर सकते है। विभिन्न संस्थाओं ने तत्परता से पूर्ण सहयोग एवं भार लेने की घोषणा की। श्री सिंह ने कहा कि बंगाल में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिये वे पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप पर जोर देंगे। उन्होंने बैठक को एक महत्वपूर्ण प्रयास बताते हुए संयोजक श्री सीताराम शर्मा के प्रति आभार व्यक्त किया। बैठक मे उपस्थित पश्चिम बंगाल पर्यटन विकास निगम लि. की प्रबन्ध निर्देशक श्रीमती पी. सरकार ने संस्थाओं के साथ पूर्ण साझेदारी का आश्वासन दिया।

बैठक में विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों के रूप में सर्वश्री प्रह्लाद राय अग्रवाल, रवि पोद्दार, हरिप्रसाद कानोड़िया, हरिप्रसाद बुधिया, भानीराम सुरेका, सन्तोष सराफ, राजेन्द्र खण्डेलवाल, विनोद सिंघानिया, राजीव माहेश्वरी, अमन गोपाल सुरेका, सागर आहलुवालिया, राहुल वर्मा, संजय हरलालका, कैलाशपति तोदी, प्रेमचन्द सुरेलिया, राजेन्द्र सिंह, टिंकु दास, श्रीमती कुसुम मुसद्दी, इना बोस, बबीता दास, जाह्नवी चक्रवर्ती, विशाल पाण्डेय आदि उपस्थित थें।

सम्मेलन अध्यक्ष श्री कानोडिया एवं महामंत्री श्री सराफ ने बी.बी.डी. बाग में एक ऐतिहासिक भवन को बिजली से रौशन करने एवं ५०० साड़ियां वितरण करने का प्रस्ताव दिया।

ALL INDIA MARWARI FEDERATION

AKHIL BHARATIYA SAMMITTEE MEMBERS LIST

ALL INDIA COMMITTEE

NATIONAL OFFICE BEARERS

NAME	PLACE	DESIGNATION
SRI HARI PRASAD KANORIA	KOLKATA	NATIONALPRESIDENT
SRI RAM AWATAR PODDAR	KOLKATA	NATIONAL VICE PRESIDENT
SRI BADRI PRASAD BHIMSARIA	PATNA	NATIONAL VICE PRESIDENT
SRI SANTOSH AGARWAL	RAIPUR	NATIONAL VICE PRESIDENT
SRI RAM KUMAR GOYAL	SECUNDRABAD	NATIONAL VICE PRESIDENT
SRI RAMESH CHAND GOPIKISHAN BANG	NAGPUR	NATIONAL VICE PRESIDENT
SRI OM PRAKASH KHANDELWAL	GUWAHATI	NATIONAL VICE PRESIDENT
SRI SANTOSH SARAF	KOLKATA	NATIONAL GENERAL SECRETARY
SRI SANJAY HARLALKA	KOLKATA	NATIONAL JOINT SECRETARY
SRI KAILASH PATI TODI	HOWRAH	NATIONAL JOINT SECRETARY
SRI ATMARAM SONTHALIA	KOLKATA	NATIONAL TREASURER

EX OFFICIO PAST PRESIDENTS & SECRETARIES

SRI HARI SHANKAR SINGHANIA	NEW DELHI	NATIONAL PRESIDENT
SRI MOHAN LAL TULSIAN	KOLKATA	NATIONAL PRESIDENT
SRI SITA RAM SHARMA	KOLKATA	NATIONAL PRESIDENT
SRI NANDLAL RUNGTA	CHAIBASA	NATIONAL PRESIDENT
SRI RATAN LAL SHAH	KOLKATA	NATIONAL SECRETARY
SRI BHANI RAM SUREKA	KOLKATA	NATIONAL SECRETARY

NOMINATED MEMBERS FOR ALL INDIA COMMITTEE

SRI JAIGOVIND INDORIA	KOLKATA
SRI OM PRAKASH AGARWAL	KOLKATA
SRI N.L. SINGHANIA	KOLKATA
SRI GOPAL AGARWAL	KOLKATA
SRI NAWAL JOSHI	KOLKATA
SRI SHANTI LAL JAIN	KOLKATA
SRI C.K. JAIN	KOLKATA
SRI KANTI CHANDRA GOENKA	KOLKATA
SRI SHAMBHU CHOWDHARY	KOLKATA
SRI MADAN LAL BAMALWA	KOLKATA
SMT.MEENA PUROHIT	KOLKATA
SRI RAJENDRA KHANDELWAL	KOLKATA
SRI SURENDRA KR. TULSIAN	KOLKATA
SRI BISHNU TULSIAN	KOLKATA
SRI SANDIP AGARWAL	KOLKATA
SRI AJIT SAHWAL	KOLKATA
SRI SOURAV AGARWAL	KOLKATA
SRI SANJAY BANKA	KOLKATA
SRI SURYA KARAN SARSWA	KOLKATA
SRI DWARKA PRADSAD DABRIWAL	KOLKATA

SRI RAJ KUMAR BOTHRA, KOLKATA

PATRON MEMBERS

	NAME	PLACE
1	SRI ATUL CHURIWAL	KOLKATA
2	SRI CHIRANJILALL AGARWAL	KOLKATA
3	SRI SHYAM SUNDAR KANORIA	KOLKATA
4	SRI MUKUND RUNGTA	JHARKHAND
5	SRI HEMANT KANORIA	KOLKATA
6	SRI HARSHAVARDHAN NEOTIA	KOLKATA
7	SRI ANIL SONTHALIA	KOLKATA
8	SRI AMIT SHARMA	KOLKATA
9	SRI SANTOSH KUMAR SARAF	KOLKATA
10	SRI RAJESH PODDAR	KOLKATA
11	SRI OMPRAKASH KHANDELWAL	GUWAHATI
12	SRI RAJENDRA KHANDELWAL	KOLKATA
13	SRI VIVEK GUPTA	KOLKATA
14	SRI SAJJAN BHAJANKA	KOLKATA
15	SRI RAMCHANDRA RUNGTA	RAMGARH
16	SRI SITARAM AGARWAL	KOLKATA
17	SRI BISHWAMBHAR DAYAL SUREKA	KOLKATA
18	SRI MAHESH KUMAR AGARWAL	BARBIL
19	SRI VIMAL KUMAR PATNI	KOLKATA
20	SRI HARI PRASAD AGARWAL	KOLKATA
21	SRI MAHESH PERIWAL	RAMGARH
22	SRI RAJ KUMAR SHAH	CHAIBASA
23	SRI ASHOK KUMAR PATAWARI	W. MIDNAPORE
24	SRI SANJAY AGARWAL	RAIPUR
25	SRI MURARILAL SARAOGI	VISHAKAPATNAM
26	SRI VIJAY SHARDA	NEW DELHI
27	SRI SURENDRA KUMAR DALMIA	BHUBANESHWAR
28	SRI JAGDISH PRASAD CHOWDHARY	KOLKATA
29	SRI HARI KISHAN AGARWAL	ROURKELA
30	SRI PRAWEEN AGARWAL	KOLKATA
31	SRI HARI CHARAN GUPTA	KEONJHAR
32	SRI HARI PRASAD BUDHIA	KOLKATA
33	SRI PADAM KUMAR JAIN	CHAIBASA
34	SRI AJAY KUMAR BAJAJ	PATNA
35	SRI MANOJ DHANDHARIA	KOLKATA
36	SRI DHARAM CHAND AGARWAL	KOLKATA
37	SRI BASANT KUMAR AGARWALLA	KOLKATA
38	SRI ARUN AGARWAL	ROURKELA
39	SRI SANTOSH SARAWGI	GIRIDIH
40	SRI RAVINDRA CHAMARIA	KOLKATA
41	SRI VINOD KUMAR AGARWAL	KOLKATA
42	SRI KAMAL KUMAR AGARWAL	RAIPUR
43	SRI AJAY SARAF	HOSPET
44	SRI BAJRANG AGARWAL	SUNDERGARH
45	SRI SANJIB KUMAR PATWARI	KOLKATA
46	SRI SANJAY SUREKA	KOLKATA
47	SRI HARIKRISHNA CHAUDHARY	KOLKATA
48	SRI GANESH PRASAD KANDOI	CUTTACK
49	SRI RAM SWARUP RUNGTA	RANCHI
50	SRI PRAMOD KUMAR NEOTIA	CHAIBASA
51	SRI NAND KISHOR AGARWAL	KOLKATA
52	SRI RAJ KUMAR DADHICH	ROURKELA
53	SRI MADHU SUDAN DALMIA	KOLKATA
54	SRI NARAIN PRASAD DALMIA	KOLKATA
55	SRI GHANSHYAM DAS AGARWAL	KOLKATA
56	SRI PRAHALAD RAI AGARWAL	KOLKATA
57	SRI DILIP KUMAR GOYAL	JAMSHEDPUR
58	SRI SHANKARLAL AGARWAL	DURGAPUR
59	SRI BHAGWATI PRASAD JALAN	KOLKATA
60	SRI SANJAY SUREKA	KOLKATA
61	SRI PRAMOD KUMAR SHARMA	JHARKHAND
62	SRI BAJRANGLAL MITTAL	KOLKATA
63	SRI JAGADISH CHANDRA AGARWAL	KOLKATA
64	SRI BHAGATRAM GUPTA	BHUBANESHWAR
65	SRI ANAND KUMAR AGARWAL	RAIPUR
66	SRI MADANLAL AGARWAL	CUTTACK
67	SRI RADHESHYAM AGARWAL	JAMSHEDPUR
68	SRI RAJENDRA TOSAWAD	KOLKATA
69	SRI KAMAL KISHOR SHARDA	RAIPUR
70	SRI RAMNATH JHUNJHUNWALA	KOLKATA
71	SRI BANWARILAL MITTAL	KOLKATA
72	SRI ASHISH AGARWAL	RAIGARH
73	SRI RAGHU HARI DALMIA	NEW DELHI
74	SRI DASHRATH KUMAR GUPTA	KOLKATA
75	SRI NITIN MAHESHWARI	JAMSHEDPUR
76	SRI RAJ KUMAR AGARWAL	CUTTACK
77	SRI JAGDISH PRASAD PANDIA	CUTTACK
78	SRI SANDIP KABRA	JAMSHEDPUR
79	SRI DINDAYAL PODDAR	ROURKELA
80	SRI AMIT BERLIA	ROURKELA
81	SRI SANJEEV KUMAR DABRIWAL	KOLKATA
82	SRI PREM KUMAR LIHALA	KOLKATA
83	SRI SAJJAN KUMAR SARAF	KOLKATA
84	SRI BINOD KUMAR AGARWAL	KOLKATA
85	SRI DAU DAYAL AGARWAL	CUTTACK
86	SRI NAND KISHOR AGARWAL	ROURKELA
87	SRI BANWARILAL SHARMA	KOLKATA
88	SRI BIJAY HARLALKA	RAMGARH
89	SRI MANISH DOKANIA	KOLKATA
90	SRI SUBIR PODDAR	KOLKATA
91	SRI JAGDISH CHANDRA MUNDRA	KOLKATA
92	SRI RAMANAND AGARWAL	RAIPUR
93	SRI J.K. SARAFF	KOLKATA
94	SRI ANJANI KUMAR GOYAL	KOLKATA
95	SRI MAHABIR AGARWAL	SUNDERGARH
96	SRI AKHILESH KUMAR JAIN	KOLKATA
97	SRI SHYAM SUNDER AGARWAL	KOLKATA
98	SRI NIRANJAN KUMAR AGARWAL	KOLKATA
99	SRI SUBHASH KUMAR AGARWAL	KOLKATA
100	SRI VIJAY GUJARWASIA(AGARWAL)	KOLKATA
101	SRI MAMRAJ AGARWAL	KOLKATA
102	SRI NAWAL KISHORE RAJGARHIA	KOLKATA
103	SRI RAMESH CHANDRA GOYAL	KOLKATA
104	SRI AJIT CHAND BOTHRA	VISAKHAPATNAM

NAME	PLACE	NAME	PLACE
105 SRI SHRAWAN KUMAR TODI	KOLKATA	128 SRI RAVINDRA KHAITAN	KOLKATA
106 SRI RAJENDRA KR.BACHACHAWAT	KOLKATA	129 SRI DINANATH PASARI	KENDUJHAR
107 SRI SHYAM SUNDER BERIWAL	KOLKATA	130 SRI R.S. FLOOR	CHENNAI
108 SRI SUSHIL KUMAR KEDIA	BHOPAL	131 SRI RAMESH KUMAR SARAOGI	KOLKATA
109 SRI BRIJ BHUSHAN AGARWAL	KOLKATA	132 SRI DEVI PRASAD KANKARIA	KOLKATA
110 SRI CHAMPALAL SARAWGI	KOLKATA	133 SRI MAHESH KHANDELWAL	KOLKATA
111 LT. SRI ARUN KUMAR GUPTA	GURGAON	134 SRI RAJEEV SARAFF	KOLKATA
112 SRI SADHU RAM BANSAL	KOLKATA	135 SRI RAMESH KUMAR LAKHOTIA	KOLKATA
113 SRI SHYAMLAL DOKANIA	KOLKATA	136 SRI KRISHNA MURARI KAYAL	KOLKATA
114 SRI MOHAN GOENKA	KOLKATA	137 SRI RAJEEV AGARWAL	KOLKATA
115 SRI ADITYA AGARWAL	KOLKATA	138 SRI HARI PRASAD KANORIA	KOLKATA
116 SRI DILIP KUMAR RAJGARHIA	KOLKATA	139 SRI SUJIT KANORIA	KOLKATA
117 SRI SURYA PRAKASH BAGLA	KOLKATA	140 SRI P.D. TULSYAN	KOLKATA
118 SRI NAWAL KUMAR KANODIA	KOLKATA	141 SRI MANISH KUMAR JAJODIA	ANDHERI (W)
119 SRI KISHAN KUMAR KEJRIWAL	KOLKATA	142 SRI SHYAM SUNDAR GOENKA	ALWARPET
120 SRI BANWARILAL NEWATIA	CHAIBASA	143 SRI SHYAM SUNDAR AGARWAL	KOLKATA
121 SRI KESHAR CHAND PADIA	KOLKATA	144 SRI BIMAL KUMAR KEJRIWAL	KOLKATA
122 SRI RAM DAYAL MASKARA	BEGUSARAI	145 SRI RAJ KUMAR PATWARI	KOLKATA
123 SRI SHYAM SUNDAR DHANUKA	KOLKATA	146 SRI SUNIL RUNGTA	KOLKATA
124 SRI MUKESH MITTAL	JAMSHEDPUR	147 SRI SANDEEP AGARWAL	KOLKATA
125 SRI NARAYAN PD. MADHOGARIA	KOLKATA	148 SRI SAJJAN KUMAR TULSYAN	KOLKATA
126 SRI SUDIP AGARWAL	MEERUT	149 SRI SACHIN LALIT BAJLA	BANDRA(E)
127 SRI SISIR KUMAR BAJORIA	KOLKATA	150 SMT. MAMTA BINANI	KOLKATA

PASCHIM BANG

1 SRI DUNGARMAL SUREKA	KOLKATA	23 SRI JUGAL KISHORE JETHALIA	KOLKATA
2 SRI GOVIND PRASAD SHARMA	KOLKATA	24 SRI MADHU SUDAN SAFFAR	KOLKATA
3 SRI GOVIND AGARWAL	NAIHATI	25 SRI MAHESH MAHIPAL	KOLKATA
4 SRI MANOJ KUMAR AGARWAL	KOLKATA	26 SRI NARAYAN SUREKA	KOLKATA
5 SRI OMPRAKASH PODDAR	KOLKATA	27 SRI NEELMANI RATHI	KOLKATA
6 SRI PREM CHAND SURELIA	KOLKATA	28 SRI OM LADIA	KOLKATA
7 SRI RAJESH KUMAR PODDAR	KOLKATA	29 SRI RAJ KUMAR SARAOGI	KOLKATA
8 SRI RAMNIWAS SHARMA(CHOTIA)	KOLKATA	30 SRI SANWARMAL BHIMSARIA	KOLKATA
9 SRI RAVINDRA KUMAR LADIA	KOLKATA	31 SRI SHANKAR JALAN	KOLKATA
10 SRI RAM RATAN MODI	KOLKATA	32 SRI SURESH KUMAR BANSAL	SILIGURI
11 SRI ARUN KUMAR AGARWAL	KOLKATA	33 SRI VISHWANATH CHANDAK	KOLKATA
12 SRI ARUN KUMAR SUREKA	KOLKATA	34 SRI BIJAY KUMAR GUJARWASIA	KOLKATA
13 SRI ATMARAM KAJARIA	KOLKATA	35 SRI RAMGOPAL BAGLA	KOLKATA
14 SMT. BIMLA SONTHALIA	KOLKATA	36 SRI RADHA KISHAN SAFFAR	KOLKATA
15 SRI BISHANATH BHUWALKA	KOLKATA	37 SRI ASHOK KUMAR PARAKH	KOLKATA
16 SRI DEOKINANDAN KHAITAN	KOLKATA	38 SRI BIJAY KUMAR DOKANIA	KOLKATA
17 SRI DILIP KUMAR GOENKA	KOLKATA	39 SRI GHANSHYAM DAS GUPTA	KOLKATA
18 SRI DURGA PRASAD NATHANI	KOLKATA	40 SRI SHIV KUMAR KAYAL	KOLKATA
19 SRI GIRDHARILAL AGARWAL	BARAKAR	41 SRI DAMODAR PRASAD BIDAWATKA	KOLKATA
20 SRI GOPAL PRASAD JHUNJHUNWALA	KOLKATA	42 SRI BINOD KUMAR SARAOGI	KOLKATA
21 SRI GOPI RAM DHUWALIA	KOLKATA	43 SRI JUGAL KISHORE JAJODIA	KOLKATA
22 SRI HARI RAM JALUKA	KOLKATA		

DELHI

1 SRI PANNA LAL BAID	DELHI	6 SRI MAHENDRA KUMAR SHARDA	KAROLBAGH
2 SRI PAWAN KUMAR GOENKA	DELHI	7 SRI MANNALAL BAID	KAROLBAGH
3 SRI SANDEEP JOSHI	ROHINI	8 SRI LAXMI PAT BOTHRA	NOIDA
4 SRI BAJRANG LAL GUPTA	NEW DELHI	9 SRI SHYAM SUNDAR SONI	KAROLBAGH
5 SRI NARENDRA DAGA	ROHINI	10 SRI SHYAM SUNDAR CHAMARIA	WEST PUNJABI BAGH

BIHAR

	NAME	PLACE		NAME	PLACE
1	SRI ARUN KUMAR AGARWAL	SAHARSA	28	SRI DASHRATH KR. GUPTA	PATNA
2	SRI DWARIKA PRASAD TODI	PATNA	29	SRI VINOD GOYAL	PATNA
3	SRI GOVIND KANODIA" ADVOCATE"	PATNA	30	SRI RAMESH SUREKA	PATNA
4	SRI KAILASH PD. JHUNJHUNWALA	PATNA	31	SRI PAWAN BHAGAT	PATNA
5	SRI RAMPAL AGARWAL "NUTAN"	PATNA	32	SRI SHASHI GOYAL	PATNA
6	SRI RAM DAYAL MASKRA	BEGUSARAI	33	SRI RAKESH BANSAL	PATNA
7	SRI JAGDISH PRASAD MOHANKA	PATNA	34	SRI GIRDHARILAL SARAF	PATNA
8	SRI DR. RAMESH KR. KEJRIWAL	MUZAFFARPUR	35	SRI VISHNU KR. GOENKA	AARA
9	SRI NATHMAL TIBREWAL	MUZAFFARPUR	36	SRI MATADIN AGARWAL	AARA
10	SRI KAMAL NOPANI	PATNA	37	SRI ASHOK KR. TULSYAN	MUNGER
11	SRI VIJAY KUMAR KISHORPURIA	PATNA	38	SRI PRADIP SUREKA	MUNGER
12	SRI BADAL CHANDRA AGARWAL	PATNA	39	SRI NARAYAN PD. KOTRIWAL	BHAGALPUR
13	SRI RAJESH BAJAJ	PATNA	40	SRI LAXMI NARAYAN DOKANIA	BHAGALPUR
14	SRI BINOD TODI	PATNA	41	SRI BANWARI LAL KHAITAN	BHAGALPUR
15	SRI OMPRAKASH TIBREWAL	PATNA	42	SRI ASHOK KR. KHEMKA	KAHALGAON
16	SMT. PUSPA CHOPRA	PATNA	43	SRI VISHWANATH KEDIA	SAHARSA
17	SMT. SUSHMA AGARWAL	PATNA	44	SRI BINOD KR. PANSARI	DARBHANGA
18	SMT. SAROJ GUTGUTIA	PATNA	45	SRI RAJEEV KEJRIWAL	MUZAFFARPUR
19	SRI MAHESH JALAN	PATNA	46	SRI NAWAL KISHOR SUREKA	MUZAFFARPUR
20	SRI GANESH KR. KHEMKA	PATNA	47	SRI KISHORILAL AGARWAL	MUZAFFARPUR
21	SRI RAMAUTAR PODDAR	PATNA	48	SRI JUGAL KISHOR AGARWAL	SUPOUL
22	SRI SHIVKARAN DUDVEWALA	PATNA	49	SRI VIJAY RAJ CHHAJED	PRATAPGUNJ
23	SRI NANDKISHOR TENWAL	PATNA	50	SRI MAHABIR PD. AGARWAL	BAGANHA
24	SRI HARIKRISHAN AGARWAL	PATNA	51	SRI SHYAMLAL CHOUDHURY	CHHAPARA
25	SRI NIRMAL JHUNJHUNWALA	PATNA	52	SRI RAMAUTAR DHANUKA	GAYA
26	SRI PRAHALAD SHARMA	PATNA	53	SRI OMPRAKASH AGARWAL	PATNA
27	SRI RAJESH SIKSARIA	PATNA	54	SRI NIRMAL GUTGUTIA	PATNA

JHARKHAND

1	SRI ASHOK KUMAR JAIN	CHAIBASA	23	SRI GOVERDHAN GADODIA	RANCHI
2	SRI PAWAN KUMAR CHANDAK	SINGHBHOOM	24	SRI VISHWANATH NARSARIA	RANCHI
3	SRI PRADEEP KUMAR CHOUDHARY	SERAIKELLA	25	SRI AJAY MARU	RANCHI
4	SRI PRAKASH KUMAR PANSARI	CHAIBASA	26	SRI JUGAL KISHOR MARU	RANCHI
5	SRI RAJ KUMAR MUNDHRA	CHAIBASA	27	SRI KEDARMAL PALSANIA	JAMSHEDPUR
6	SRI AMIT MITTAL	CHAIBASA	28	SRI PURSHOTAM JHUNJHUNWALA	JAMSHEDPUR
7	SRI ANIL MURARKA	CHAIBASA	29	SRI BASANT HETMSARIA	RAMGARH
8	SRI ANUP KEDIA	CHAIBASA	30	SRI MURLIDHAR KEDIA	JAMSHEDPUR
9	SRI ASHOKE VIJAYWARGIA	CHAIBASA	31	SRI VIDYADHAR SHARMA	RANCHI
10	SRI DHIRAJ AGARWAL	CHAIBASA	32	SRI MAHABIR PRASAD JAIN "SOGANI"	RANCHI
11	SRI RAMESH KHIRWAL	CHAIBASA	33	SRI BANWARILAL NEWATIA	CHAIBASA
12	SRI RUPESH AGARWAL	CHAIBASA	34	SRI RATANLAL BANKA	RANCHI
13	SRI SUSHIL KUMAR CHOUMAL	CHAIBASA	35	SRI BASANT KUMAR MITTAL	RAMGARH
14	SRI VASUDEB PRASAD BUDHIYA	RANCHI	36	SRI NIRMAL JAIN "RARA"	RANCHI
15	SRI PARMESHWARLAL GUTGUTIA	DEVGHAR	37	SRI PAWAN SHARMA	RANCHI
16	SRI MANIKCHAND JAIN	RANCHI	38	SRI VASUDEB AGARWAL	RANCHI
17	SRI GOVIND PRASAD DALMIA	DEVGHAR	39	SRI RAVI SHANKAR SHARMA	RANCHI
18	SRI RAJ KUMAR KEDIA	RANCHI	40	SRI PRAMOD TULSYAN "NAWAL"	DALTENGANJ
19	SMT. ARUNA JAIN	RAMGARH	41	SRI VINOD JAIN	JAIN
20	SRI BHAGCHAND PODDAR	RANCHI	42	SRI PAWAN PODDAR	RANCHI
21	SRI DHARAM CHAND BAJAJ	RANCHI	43	SRI VINOD KUMAR AGARWAL	SAHEBGANJ
22	SRI RADHESHYAM AGARWAL	JAMSHEDPUR	44	SRI MANOJ BAJAJ	RANCHI

JHARKHAND

	NAME	PLACE		NAME	PLACE
45	SRI CHANDI PRASAD DALMIA	RANCHI	56	SRI NARENDRA KUMAR JAIN	RANCHI
46	SRI PURSHOTAM LAL SHARMA	CHAIBASA	57	SRI DURGA PRASAD AGARWAL	HAZARIBAG
47	SRI DIPAK MARU	RANCHI	58	SRI SANJEEV VIJAYWARGIA	RANCHI
48	SRI LALIT JAWANPURIAYA	JAMSHEDPUR	59	SMT. SUMAN CHITLANGIA	RANCHI
49	SRI LALIT PODDAR	RANCHI	60	SRI PRAKASH AGARWAL	RANCHI
50	SRI NARESH BANKA	RANCHI	61	SRI DR. TARUN ARUKIA	RANCHI
51	SRI SURESH KUMAR JAIN	DALTENGUNJ	62	SRI RAJEEV MITTAL	RANCHI
52	SRI PAWAN MANTRI	RANCHI	63	NIRMAL KUMAR KABRA	JAMSHEDPUR
53	SMT. VIJAYA JAIN "RARA"	RANCHI	64	BALRAM SULTANIA	CHAIBASA
54	SRI ABHAY KUMAR SARAF	DEVGHAR	65	DHARAM CHAND JAIN"RARA"	RANCHI
55	SRI PADAM JAIN CHHABARA	RANCHI	66	VINAY SARAOGI	RANCHI
			67	KAMAL KUMAR KEDIA	RANCHI

ORISSA

1	SRI ANJANI KUMAR AGARWAL	KORAPUT	15	SRI ER. ASHOK KUMAR JALAN	SAMBALPUR
2	SRI GANESH PRASAD KANDOI	CUTTACK	16	SRI DINESH KUMAR AGARWAL	SAMBALPUR
3	SMT.PREMA PANSARI	SAMBALPUR	17	SRI ISHWARCHAND JAIN	BALANGIR
4	SRI SURAJBHAN JAIN	KALAHANDI	18	SRI SAJAN KUMAR BHOOT	SAMBALPUR
5	SRI SURENDRA LATH	SAMBALPUR	19	SRI HAJARIMAL OJHA	SAMBALPUR
6	SRI BIJAY KUMAR TODI	ROURKELA	20	SRI MAGATURAM AGARWAL	SAMBALPUR
7	SRI NARENDRA KUMAR JAIN	BOLANGIR	21	SRI SANTOSH KUMAR PAREEK	ROURKELA
8	SRI SHYAM SUNDER PODDAR	CUTTACK	22	SRI GOURI SHANKAR AGARWAL	BALANGIR
9	SRI HARI KISHAN AGARWAL	SUNDERGARH	23	SRI BIJAY KUMAR TIBDEWAL	BHUBANESHWAR
10	SRI ER. MAGANLAL AGARWAL	BALANGIR	24	SRI BISWANATH MAROTHIA	ROURKELA
11	SRI MANSUKHLAL SETHIA	KHURDA	25	SRI ASHOK CHAPDIA	KANTABANJI
12	SRI SUBHASH CHANDRA SITANI	JHARSUGUDA	26	SRI VIJAY KEDIA	SAMBALPUR
13	SRI SHYAM SUNDAR AGARWAL	BARGARH	27	SRI DR. PURUSOTTAM AGARWAL	SAMBALPUR
14	SRI SURESH BONDIA	JHARSUGUDA	28	SRI NAKUL AGARWAL	BOLANGIR

ANDHRA PRADESH

1	SRI MAHESH KUMAR KHAITAN	ADILABAD	11	SRI RAM PRAKASH BHANDARI	HYDERABAD
2	SRI RAMESH KUMAR BANG	HYDERABAD	12	SRI BRIJ GOPAL ASAVA	HYDERABAD
3	SRI BHAGWATI PRASAD AGARWAL	VIJAYAWADA	13	SRI JAGDISH PRASAD MAYACHH	SECUNDRABAD
4	SRI BALKISHAN BARDIA	VIJAYAWADA	14	SRI RADHE SHYAM VIJAYVARGIA	HYDERABAD
5	SRI NARENDRA GUPTA	VIJAYAWADA	15	SRI RAM NIWAS SHARMA	HYDERABAD
6	SRI SURESH CHANDRA SABOO	VIJAYAWADA	16	SRI ASHOK KUMAR BARMECHA	A.P
7	SRI SUSHIL KUMAR AGARWAL	VIJAYAWADA	17	SRI ANIL KUMAR AGARWAL	HYDERABAD
8	SRI UTTAM CHAND GUPTA	VIJAYAWADA	18	SRI NARESH CHANDRA VIJAYVARGIA	HYDERABAD
9	SRI DR. RAMVILASH SABOO	HYDERABAD	19	SRI RAMPAL ATTAL	HYDERABAD
10	SRI OM PRAKASH JAKHOTIA	HYDERABAD			

TAMILNADU

1	SRI HIRALAL CHANDALIA	CHENNAI	8	SRI MOHAN GOENKA	CHENNAI
2	SRI KAILASHMAL DUGGAR	CHENNAI	9	SRI RAM AUTAR AGARWAL	CHENNAI
3	SRI VIJAY KUMAR GOYAL	CHENNAI	10	SRI SHEO KUMAR GOENKA	CHENNAI
4	SRI INDRASEN GOYAL	CHENNAI	11	SRI SHYAM SUNDAR GOENKA	CHENNAI
5	SRI GAUTAM CHAND BOHARA	CHENNAI	12	SRI M. SHANTILAL JAIN	CHENNAI
6	SRI GULAB CHAND KOTADIA	CHENNAI	13	SRI SAMPATRAI CHORDIA	CHENNAI
7	SRI BALKRISHANA GOENKA	EGMORE			

KARNATAKA

1	SRI NARAYAN AGARWAL	BANGLORE	2	SRI DEVENDRA KUMAR SONI	BANGLORE

MAHARASHTRA

	NAME	PLACE		NAME	PLACE
1	SRI KISHAN GOPAL MULCHAND PUROHIT	NAGPUR	8	SRI BHARAT V. GURJAR	MUMBAI
2	SRI DAMODAR KISHAN GOPAL LAKHANI	MALKAPUR	9	SRI VIRENDRA DHOKA	JALNA
3	SRI JAIPRAKASH SHANKARLAL MUNDHRA	HINGOLI	10	SRI MAHENDRA KUMAR PATODIA	PUNA
4	SRI NEMICHAND PODDAR	NASIK	11	SRI RAJESH BHAGWANDAS SONI	JALNA
5	SRI DILIP KUMAR MANSUKHLAL GANDHI	AHMEDNAGAR	12	SRI LALIT SHAKALCHAND GANDHI	KOLHAPUR
6	SRI POPATLAL BHAGCHAND OSWAL	PUNA	13	SRI SHIVNATH SHARMA	NAGPUR
7	SRI PURSHOTTAM M. DARAKH	AURANGABAD	14	SRI SUKHLAL JAIN	JALNA

MADHYA PRADESH

1	SRI G.N. PUROHIT	JABALPUR	7	SRI SURESH HOLANI	SAGAR
2	SRI KAMALESH KUMAR NAHATA	JABALPUR	8	SRI KUSHALCHAND AGARWAL	CHHINDWARA
3	SRI PREMCHAND DONGERMAL	INDORE	9	SRI NARESH AGARWAL	JABALPUR
4	SRI RAJESH KUMAR JAIN	KATNI	10	SRI PRABHAT AGARWAL	JABALPUR
5	SRI AJAY KUMAR JAIN	BHOPAL	11	SRI PRAKASH NAHATA	JABALPUR
6	SRI MOTILAL GOYAL	SATNA	12	SMT. MANJU KHANDELWAL	JABALPUR

CHHATTISGARH

1	SRI GHANSHYAM AGARWAL	DURG	8	SRI ASHOK JAIN	RAIPUR
2	SRI RAMANAND AGARWAL	RAIPUR	9	SRI ANIL AGARWAL	PATTHGAON
3	SRI GHANSHYAM PODDAR	RAIPUR	10	SRI AJAY KEDIA	AMBIKAPUR
4	SRI DR. ARUN HARITWAL	RAIPUR	11	SRI RAJ KUMAR SULTANIA	BILASHPUR
5	SMT. ANITA KHANDELWAL	RAIPUR	12	SRI PHULCHAND GOLCHHA	DHAMTARI
6	SMT. BABITA NATTHANI	RAIPUR	13	SRI SHYAM SOMANI	JAGADALPUR
7	SRI GANPAT RAI MANTRI	BHILAI			

UTTAR PRADESH

1	SRI SOME PRAKASH GOENKA	KANPUR	8	SRI ANIL JAJODIA	VARANASI
2	SRI RAJESH KASERA	KANPUR	9	SRI GOPAL SUTWAL	KANPUR
3	SRI AKASH GOENKA	KANPUR	10	SRI SATYANARAYAN SINHANIA	KANPUR
4	SRI RADHAKISHAN AGARWAL	KANPUR	11	SRI MAYANK MOULEE BAJAJ	LUCKNOW
5	SRI RAJ KUMAR NEWATIA	KANPUR	12	SRI A.P. GUPTA	KANPUR
6	SRI DHRUV DALMIA	KANPUR	13	SRI SUDEEP GOENKA	KANPUR
7	SRI ADITYA BARSIYA	KANPUR			

PURWANCHAL

1	SRI ANANDILAL PASARI	SHIBSAGAR	16	SRI RAJENDRA KUMAR KHEMKA	TINSUKIA
2	SRI BIJAY KUMAR GARWAL	TINSUKIA	17	SRI SHANKARLAL SINGHANIA	MEGHALAYA
3	SRI JAMUNA PRASAD JINDAL	TINSUKIA	18	SRI SUBHKARAN SHARMA	SHIBSAGAR
4	SRI PRAHALAD RAI TODI	NAUGAON	19	SRI UTTAM CHAND NAHATA	NAUGAON
5	SRI PURUSHOTTAM KHAITAN	TINSUKIA	20	SRI DR. SHYAM SUNDAR HARLALKA	GUWAHATI
6	SRI RAMJIWAN SUREKHA	TINSUKIA	21	SRI OMPRAKASH CHOUDHURY	GUWAHATI
7	SRI VIJAY KUMAR MANGLUNIA	NAUGAON	22	SRI SAJJAN AGARWAL	GUWAHATI
8	SRI BINOD BIRMIWAL	TINSUKIA	23	SRI K.R. CHOUDHURY	GUWAHATI
9	SRI BIJAY KUMAR CHITTAWAT	SHIBSAGAR	24	SRI ONKARMAL AGARWAL	GUWAHATI
10	SRI DEOKINAND BANSAL	SHIBSAGAR	25	SRI BAJRANGLAL AGARWAL	NAUGAON
11	SRI GAJANAND AGARWAL	SHIBSAGAR	26	SRI PAWAN KUMAR KEJRIWAL	TINSUKIA
12	SRI KRISHNA KHEMKA	SHIBSAGAR	27	SRI SURESH KUMAR BAJAJ	DIBRUGARH
13	SRI KRISHNA KUMAR SAHARIA	DIBRUGARH	28	SRI NAGARMAL SHARMA	BARPETA
14	SRI OMPRAKASH BANSAL	SHIBSAGAR	29	SRI BABU LAL GAGAR	JORHAT
15	SRI RADHESHYAM AGARWAL"CHITTAWAT"	SHIBSAGAR	30	SRI JUGAL KISHOR AGARWAL	JORHAT

NEPAL

SRI SHAMBHU DAYAL JHUNJHUNWALA, KATHMANDU

IISD

SREI Foundation

A Gateway to Careers

"Educate Morally & Technically"
— **Swami Vivekananda**

Swami Vivekananda Merit Scholarship upto 100%

Quality Higher Education at lowest prices
– a corporate social responsibility

3 Yrs. **BBA** ₹ 75,000	2 Yrs. **MBA + PGPM** ₹ 85,000
3 Yrs. **BCA** ₹ 75,000	2 Yrs. **MBA (Hospital Admin.)** ₹ 95,000

ELIGIBILITY & SELECTION

FOR MBA

- BACHELOR'S DEGREE IN ANY DISCIPLINE
- APPEARING FOR FINAL DEGREE EXAMINATION
- GROUP DISCUSSION
- PERSONAL INTERVIEW
- ★ APPLICANTS WITH CAT / MAT / XAT ARE PREFERRED

FOR BBA & BCA

- 10 + 2 PASSED FROM ANY HIGHER SECONDARY BOARD/COUNCIL

Assistance for placement

Eminent Faculty
Regular / Weekend Classes
AC Classrooms/Hostel

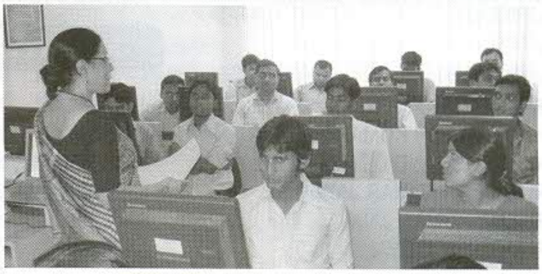

Achieve your Aspiration ...
... be a **Corporate Leader !**

Complimentary Courses with MBA, BBA, BCA :

- Spoken English
- Foreign Languages
- Soft Skills Training from HCL - CDC
- ERP Training (Microsoft Certified)
- Company Secretaryship / Chartered Accountancy / Administrative Services
- Entrepreneurship Development

Other Courses :

- Company Secretaryship • Advocateship
- E-Tuition
- Montessori Teacher Training (1 Year Diploma)
- **Language Courses : Functional English, Spoken English, Spanish, Italian, Russian, German, Chinese, Japanese, Arabic, Burmese, Persian, French, Korean, Sanskrit and Hindi**
- **NDA / CDS – UPSC Examinations and SSB Interview**
- **Certificate Course in Computer Applications**
- **Advanced Diploma in Financial Management**
- **Entrepreneurship Development**
- **Vocational & Technical Training**
- **Indian Administrative Service (IAS) and Allied Services Examinations (Prelim and Main)**
- **WBCS (Executive) and Judicial Services Examination (Prelim and Main)**
- **Chartered Accountancy (CPT, IPCC & Final)**
- **Diploma in Banking and Finance**
- **Preparatory course for Entrance Examination of MD, MS, MRCP (Medicine) – Part-I and DNB – Part-I**

Recognised by UGC, Ministry of HRD, Govt. of India, Approved by Joint Committee of UGC, AICTE & DEC

INSTITUTE FOR INSPIRATION & SELF DEVELOPMENT

Unit - I

IB-200/1, Sector-III, Salt Lake, Kolkata - 700 106
Ph : 2335 2378/2861, Fax : 2335 2379
E-Mail : info@iisdedu.in
Website : www.iisdedu.in

Unit - II

9, Syed Amir Ali Avenue, 5th Floor
Kolkata- 700017, Ph : 4001 9894
E-Mail : iisdunit2@gmail.com
Website : www.iisdedu.in

मेधावी विद्यार्थियों को मामराज अग्रवाल पुरस्कार

१४वें मामराज अग्रवाल राष्ट्रीय पुरस्कार समारोह का आयोजन राजभवन में किया गया। इस मौके पर वर्ष २०११ के माध्यमिक, उच्च माध्यमिक, सीबीएसई, आईसीएसई आईएससी व सीए तथा अन्य परीक्षाओं में सर्वश्रेष्ठ परिणाम हासिल करने वाले ९८ विद्यार्थियों को राज्यपाल एम.के. नारायणन ने सम्मानित किया। सम्मान में प्रशस्ति पत्र व पांच हजार रुपए का चैक प्रदान किया गया।

मामराज फाउंडेशन की ओर से राजभवन में मेधावी छात्रा को पुरस्कार प्रदान करते राज्यपाल एम. के. नारायणन। साथ में हैं संस्था के अध्यक्ष मामराज अग्रवाल।

इस मौके पर मामराज अग्रवाल पाउंडेशन के अध्यक्ष मामराज अग्रवाल, सीटीसी के चेयरमैन शांति लाल जैन, विश्वभारती के पूर्व वाइस चांसलर डॉ. सुजीत बसु, पश्चिम बंगाल हाउसिंग बोर्ड के वाइस चेयरमैन डॉ. सुब्रत मैत्र आदि उपस्थित थे। इस मौके पर राज्यपाल ने कहा कि यह सम्मान राज्य के मेधावी विद्यार्थियों के हौसला बढ़ाने के लिए काफी महत्वपूर्ण है। मामराज अग्रवाल फाउंडेशन की ओर से मेधावी छात्रों का प्रति वर्ष सम्मान करना समाज व देश के लिए बड़ी बात है। इस प्रयास से फाउंडेशन की ओर से कई जरूरतमंद छात्रों की आंखों के आंसू पोंछे गए हैं। विद्यार्थियों को इस सम्मान का सम्मान करते हुए इसका इस्तेमाल समाज व देश के विकास के लिए करना चाहिए। सभी मेधावी छात्रों को चाहिए कि वे समाज की आशा व आकांक्षाओं का ध्यान रखते हुए आगे बढ़ने का प्रयास करें। पुरस्कृत छात्रों को अपनी जिम्मेदारी का ध्यान रखना चाहिए क्योंकि जीवन हमेशा गुलाब के फूलों की सेज नहीं होता।

आपके विचार

"समाज विकास" अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का मुखपत्र है जो गत ६१ वर्षों से कोलकाता से प्रकाशित किया जा रहा हैं।

सम्मेलन के मुख्य उद्देश्य हैं समाज सुधार, समरसता एवं राष्ट्रीय एकता। समाज के साहित्यिक, सांस्कृतिक, आर्थिक एवं सामाजिक विकास हेतु विभिन्न पहलुओ पर "समाज विकास" के माध्यम से चर्चा आयोजित की जाती है।

समाज सुधार एवं समरसता के अन्तर्गत देहज-दिखावा, आडम्बर, फिजूलखर्ची, विधवा विवाह, बढ़ते तलाक, टूटते परिवार, गिरते सामाजिक एवं नैतिक मूल्य, अर्न्तजातीय विवाह, वृद्धाश्रम क्यों, आदि विषयों पर विचार-विवेचना "समाज सुधार" के माध्यम से करने का प्रयास किया जाता है।

आपके विचारों को प्रकाशित कर हमें हार्दिक प्रसन्नता होगी।

सीताराम शर्मा
पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष
एवं
सम्पादक, समाज विकास

महंगाई से त्रस्त आम आदमी

इन दिनों भ्रष्टाचार के बाद जो एक बड़ा मसला है, वो है महंगाई का। महंगाई की मार से न सिर्फ आम आदमी त्रस्त है बल्कि इसकी धार से ग्रहणियां भी कम अप्रभावित नहीं है। आटे-दाल से लेकर गैस सिलेण्डर तक के दिनों-दिन बढ़ते दाम ने घरेलू महिलाओं की नाक में भी दम कर रख है। सब्जियों के भाव आसमान पर है। हरि सब्जिया तीस-चालीस रुपए किलो से कम नहीं। डीजल, पेट्रोल की तरह ही दूध के दामों में भी बेतहाशा वृद्धि हुई है। पॉकेट दूध का दाम एक साल के भीतर ६-८ रुपए प्रति लीटर बढ़ चुका। सच तो यह है कि महंगाई पर काबू पाने में हमारी सरकारें पूरी तरह से नाकाम सिद्ध हो चुकी है। जब महंगाई पर चर्चा होती है तो पक्ष-विपक्ष एक-दूसरे पर दोषारोपण करके अपने-अपने बचाव में लगे रहते है, महंगाई से त्रस्त आम आदमी को बचाने का प्रयास कोई नहीं करता। एक नेताजी ने कहा कि यदि महंगाई ही खत्म हो जाएगी तो फिर राजनीति कहाँ टिकेगी। आजादी के बाद से आजतक हम गरीबी हटाने में ही तो लगे है लेकिन गरीबी है कि किसी जंगली पौधे की तरह तेजी से बढ़ती ही जा रही है। हालांकि आज इंटरनेट युग में गरीबी की परिभाषा बदल चुकी है लेकिन इसके बावजूद महंगाई ने जिस प्रकार से हर क्षेत्र में अपने पॉव पसार रखें है, यदि अब भी सरकारें नहीं चेती तो फिर स्थिति अमेरिका से भी भयावह हो सकती है। हालांकि सरकार बार-बार यह दिलासा भी दिलाती है कि हमारी अर्थव्यवस्था काफी मजबूत है एवं किसी भी विकट परिस्थिति का मुकाबला किया जा सकता है। लेकिन यह कोई सीमा पार का युद्ध नहीं है बल्कि पेट का दर्द है और इस दर्द की दवा है सिर्फ 'रोटी', जो आज आसमान पर जा चुकी है। भूख की मार ने कई बार अनाज पैदा करनेवाले किसानों को ही आत्महत्या के लिए मजबूर कर दिया। अतः अब समय आ गया कि सरकारें चेतें।

बकौल-ऐ-हसन कोई पाता नहीं,
गया वक्त फिर हाथ आता नहीं।

– राम अवतार पोद्दार

कविता

मैं अन्ना हूं

देश का बच्चा, बूढ़ा बोले -
"मैं अन्ना हूं।"
तुम भी अन्ना, मैं भी अन्ना
हम सब अन्ना हैं।
भ्रष्टाचार मिटाने वाले
हम सब अन्ना हैं।
जन लोकपाल पारित करवाते
सब अन्ना हैं।
द्वितीय आजादी की लड़ाई लड़ते
वे अन्ना हैं।
अन्ना में जो श्रद्धा रखते,
वे अन्ना हैं।
अन्ना इक संकल्प हैं –
अन्ना इक विश्वास हैं।
"अन्ना नहीं, यह आंधी है।"
देश के दूसरे गांधी हैं।
वंदे मातरम् के नारे में –
अन्ना हैं।
इंकलाब जिंदाबाद में –
अन्ना हैं।
भारत माता की जयघोष में –
अन्ना हैं।
"अन्ना" शब्द बन गया 'मंत्र'
अब जप अन्ना है।
अन्ना एक पुकार हैं।
अन्ना एक हुंकार हैं।
देश की युवा शक्ति बोले –
मैं अन्ना हूं।
भारत का जन-गण-मन बोले –
मैं अन्ना हूं।
देश का बच्चा-बूढ़ा बोले –
मैं अन्ना हूं।
मैं भी अन्ना, तुम भी अन्ना
हम सब अन्ना हैं।
"अन्ना शक्ति - राष्ट्र शक्ति"

प्रेमलता खंडेलवाल
गुवाहाटी

हंसगुल्ले

एक मंत्री ने एक पत्रकार से जानना चाहा – "जी, क्या वह आपकी पत्नी थी, जिन्होनें दरवाजा खोला था?"

"और नहीं तो क्या।" मंत्री जी का जवाव था, क्या मैं इतनी वदसूरत नौकरानी रखूंगा?"

☺ ☺ ☺

एक व्यक्ति को एक साल से खुजली पीछा नहीं छोड़ रही थी उसने एक त्वचा रोग विशेषज्ञ को जब अपना रोग बताया तो उन्होनें पूछा – "क्या आप जाड़े के मौसम में नहाते है?"

उसने बताया – "मैं पानी की बचत करने के कारण नहाता ही नहीं हूँ।"

"तो फिर गर्मियों में तो नहाते ही होंगे?" डॉक्टर ने पूछा।

"हां, गर्मियों में तो नहाता हूँ, अपने पसीने से।" उसने बताया।

☺ ☺ ☺

घर के द्वार पर बैठी एक वेहद मोटी महिला अपनी वीमारी से तंग आकर कहने लगी, "अरे भगवान! अव तो तू मुझे उठा ले।"

यह सुन कर उसका मजाकिया पड़ोसी वोला – "आपको उठाकर क्या भगवान अपना कचुमर निकलवायेगा!"

☺ ☺ ☺

खेल प्रशिक्षक ने प्रतिभागी खिलाड़ियों से कहा– "प्रतियोगिता शुरू होने से पहले आप लोगों का डूब टेस्ट लेना होगा।"

"सर, पर हमने तो कोई नशीली दवा नहीं खाई है।" एक प्रतिभागी ने आपत्ति की।

"दवा नहीं, हमें यह पता लगाना है कि कहीं आप लोगों ने मिलावट वाला सरसो तेल तो नही खाया है।" प्रशिक्षक ने कहा।

मां– "वेटा! आज तुमने स्कूल में शरारत तो नहीं की?"

वेटा– "नहीं मां, आज मैं चुपचाप मुर्गा बना रहा।"

☺ ☺ ☺

एक व्यक्ति चौथी बार शादी करने को तैयार था, तो उसके दोस्त ने पूछा– "यार, इतनी बीवियां रखने से क्या कोई फायदा है?"

"हां यार! कई बीवियां रखने का वड़ा फायदा यह है कि वे मुझसे लड़ने की जगह आपस में ही लड़ती रहती हैं।"

☺ ☺ ☺

हर वक्त गुस्से में रहने वाली पत्नी से पति ने कहा– "प्रिये, अपनी आंखों से चिंगारियां मत निकाला करो, यदि किसी दिन रसोई गैस लिक कर गयी तो मुसीबत खड़ी हो जायेगी।?"

☺ ☺ ☺

युवा वेटी ने अपनी शादी से इनकार करते हुए कहा – "मम्मी, मैं हकलाने वाले लड़के से शादी नहीं करूंगी।"

"बेटी, उसके हकलाने से फर्क क्या पड़ता है? वेचारे को शादी के वाद वोलने का मौका ही कहां मिलेगा।" मां वोली।

☺ ☺ ☺

दो दोस्त चले जा रहे थे। पहले दोस्त ने पुछा – "आज तुम इतने उदास क्यों हो?"

दूसरे दोस्त ने बताया – "मैं आइन्दा किसी औरत से शादी करने के लिए नही कहूंगा।"

"क्यों? क्या उसने इनकार कर दिया?"

"नहीं यार, उसने हां कर दी।"

☺ ☺ ☺

"मेरे जीजाजी भारोत्तोलन चैम्पियन है।"

"तव स्टेशन पर तम्हारी जीजी के मजे रहते होंगे। सामान उठाने के लिए उन्हें कुली नहीं करना पड़ता होगा।"

प्रान्तीय समाचार

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन का प्रांतीय अधिवेशन

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री हरिप्रसाद कानोड़िया का शाल एवं स्मृतिचिन्ह द्वारा अभिनन्दन करते प्रांतीय अध्यक्ष सुरेन्द्र लाठ।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा का शाल एवं पुष्पगुच्छ द्वारा अभिनन्दन करते हुए युवा मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष जितेन्द्र गुप्ता।

उड़ीसा की राजधानी भुवनेश्वर के जयदेव भवन सभागार में आयोजित उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के बारहवें दो दिवसीय अधिवेशन में ५०० से अधिक प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

दीप प्रज्ज्वलन सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद सुरेंद्र लाठ ने किया और सम्मेलन की दिशा पर अपना मंतव्य दिया। स्वागत भाषण भुवनेश्वर मारवाड़ी सोसाइटी के अध्यक्ष सुभाष अग्रवाल ने दिया। मारवाड़ी महिला समिति, भुवनेश्वर की अध्यक्ष मीना अग्रवाल ने समिति की ओर से आभार व्यक्त किया। संजय कुमार अग्रवाल, अध्यक्ष मारवाड़ी युवा मंच, भुवनेश्वर ने अपनी शाखा की ओर से साधुवाद दिया। सायंकाल के सत्र का शुभारंभ सुरेंद्र कुमार लाठ, सुभाष अग्रवाल, सम्मेलन के निवर्तमान अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार डालमिया, मारवाड़ी युवा मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष जितेन्द्र मोहन गुप्ता, मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सीताराम शर्मा, अध्यक्ष श्री हरि प्रसाद कानोड़िया, राष्ट्रीय महामंत्री श्री संतोष सराफ, कोषाध्यक्ष श्री आत्माराम सोंथलिया, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री राम अवतार पोद्दार, संयुक्त महामंत्री श्री संजय हरलालका, श्री प्रेमचन्द सुरेलिया, श्री नन्द किशोर अग्रवाल, श्री मनोज कुमार अग्रवाल, श्री संजय अग्रवाल, श्री शिव कुमार क्याल, श्री विजय गजरवासिया, श्री गोविन्द अग्रवाल, श्री राम रतन मोदी, श्री जगदीश चंद्र मूंधड़ा, श्री रामनिवास शर्मा, श्री राजेश पोद्दार, श्री रामगोपाल बागला, श्री गोविन्द प्रसाद शर्मा, श्री विजय कुमार डोकानिया, श्री गोपी धुवालीया, अआयोजन समिति के महामंत्री शिवकुमार अग्रवाल, आयोजन समिति के संयोजक एवं उत्कल प्रांतीय मारवाड़ी युवा मंच के उपाध्यक्ष उमेश खण्डेलवाल, मायुमं भुवनेश्वर के अध्यक्ष संजय कुमार अग्रवाल व अन्य गणमान्य की उपस्थिति में हुआ। स्वागताध्यक्ष सुभाष अग्रवाल ने बताया कि भुवनेश्वर में मारवाड़ी भवन बनाने के सपने को सभी के सहयोग से साकार किया गया है, जिसका पहला तल दिसंबर-२०११ तक कार्यरत हो जाएगा।

समारोह के मुख्य अतिथि उड़ीसा के विधायक एवं पूर्व वित्त मंत्री वेद प्रकाश अग्रवाल ने बताया कि सम्मेलन की कामयाबी को मिलकर आगे बढ़ाना है। कार्यक्रम का संचालन सम्मेलन के प्रांतीय उपाध्यक्ष मनसुख सेठिया ने किया।

प्रान्तीय समाचार

भ्रष्टाचार के विरुद्ध जबलपुर बन्द

दिनांक १७-८-२०११ को अण्णा हजारे के समर्थन और भ्रष्टाचार के विरोध में उद्योगपतियों एवं व्यवसायिक संगठन ने जबलपुर बंद का आह्वान किया। सभी व्यवसायियों ने अपने प्रतिष्ठान वंद रखे। म.प्र. मा स के अध्यक्ष श्री गणेश नारायण पुरोहित ने मंच से रैली को संवोधित करते हुये कहा कि आज देश को अण्णा हजारे जैसा दूसरा गांधी मिल गया जो भ्रष्टाचार से देश को मुफ्त करने का संकल्प लेकर अनशन पर वैठे हैं। आज पूरा भारत अण्ण के साथ है। हमें भी इस जन आन्दोलन में पूर्ण सहयोग करना चाहिये। अंग्रेजों ने जितना २०० साल में नहीं लूटा उससे ज्यादा भ्रष्ट नेताओं ने ६५ सालों में लूट लिया। अभी तक प्राप्त आंकड़ों के आधार पर २८० लाख करोड़ कालाधन देश के बाहर है। रैली गैर राजनीतिक एवम् शान्तिपूर्ण हो। कोई भी असामाजिक तत्व विघ्न न डाल सके इसका विशेष ध्यान रखा जाए। जय हिन्द, वन्दे मातरम् के नारों के साथ रैली प्रमुख मार्गो से होते हुये टाउन हाल पहुँची वहाँ पर महात्मा गांधी की प्रतिमा के समक्ष सभी ने शपथ ग्रहण की एवं स्थानीय कलक्टर को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। रैली में वड़ी संख्या में मारवाड़ी सदस्य उपस्थित हुए। श्री गणेश नारायण पुरोहित, श्री पुरसोत्तम संघी, श्री संतोष ओसवाल, श्री संतोष पोद्दार, अमित टीवडेवाला, तोलाराम धूत, दिनेश केडिया, भरत बजाज, राधेश्याम मानधनिया, पवन बगड़ोदिया, प्रकारा नाहटा, विजय सखलेचा, प्रभात अग्रवाल आदि सभी सदस्यों को सहयोग के लिये महामंत्री कमलेश नाहटा ने धन्यवाद दिया, विशेषतौर पर तोलाराम धूत, दिनेश केड़िया, भरत बजाज, कृष्ण कुमार साहानी को, जो पूरी रैली में बैनर लेकर चले।

आन्ध्र प्रादेशिक मारवाड़ी शिक्षा कोष ट्रस्ट
साबू एवं बंग ने संभाला ट्रस्टी का पदभार

आन्ध्र प्रादेशिक मारवाड़ी शिक्षा कोष ट्रस्ट की बैठक ट्रस्ट के हैदराबाद स्थित कार्यालय मारवाड़ी हिन्दी विद्यालय, बेगम बाजार में सम्पन्न हुई। ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री गुलजारीलालजी केडिया की अनुपस्थिति में आन्ध्र प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री नरेशचन्द विजयवर्गीय ने बैठक के लिये अध्यक्ष का आसन ग्रहण किया। बैठक में सर्वश्री कन्हैयालाल लोया, डॉ. रामविलास साबू, रमेशकुमार बंग, रामप्रकाश भण्डारी, रामपाल अट्टल, हरिप्रसाद चांडक, रामनिवास शर्मा, अनिल कुमार अग्रवाल, संजय जैन, विजय कुमार कासलीवाल, सत्येन्द्र जैन आदि उपस्थित थे।

सर्वप्रथम अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष श्री नन्दकिशोर जालान के स्वर्गवास पर एवं समाज की अन्य दिवंगत आत्माओं के प्रति मौन श्रद्धांजलि अर्पित की गयी।

मेनेजिंग ट्रस्टी डॉ. साबू ने विगत बैठक की कार्यवाही की स्वीकृति प्राप्त की। वर्ष २०१०-२०११ में कोष की ओर से दी गयी छात्रवृत्ति की विस्तृत जानकारी दी एवं वर्ष २०१०-११ का आय-व्यय का लेखा जोखा प्रस्तुत किया।

आगामी सत्र के लिये उपस्थित सदस्यों ने सर्वसम्मति से डॉ. आर.एम.साबू को अध्यक्ष पद पर तथा रमेश कुमार बंग को मेनेजिंग ट्रस्टी पद पर निर्वाचित किया।

बैठक की अध्यक्षता कर रहे श्री नरेशचन्द्र विजयवर्गीय ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष और मेनेजिंग ट्रस्टी के पदभार का दायित्व सौंपा। डॉ. साबू ने अध्यक्षीय सम्बोधन में वर्तमान महँगाई के इस दौर में ट्रस्ट द्वारा जो शैक्षणिक सहायता प्रदान की जा रही है उसे बहुत ही कम मान कर ट्रस्ट के वर्तमान स्थायी कोष में बढोतरी करने के लिये सदस्यों से सहयोग का अनुरोध किया।

प्रान्तीय समाचार

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन

स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर झंडोत्तोलन एवं तीन सौ सागवान के पौधों का वितरण

पटना स्थित आरोग्य मन्दिर अस्पताल के प्रांगण में मारवाड़ी चिकित्सा सेवा समिति एवं पतंजलि योगपीठ के द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित ६५ वें स्वतंत्रता दिवस समारोह में झंडोत्तोलन प्रसिद्ध उद्योगपति एवं समाजसेवी श्री एल. एन. पोद्दार के कर-कमलों द्वारा किया गया। श्री एल. एन. पोद्दार एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती शैलबाला पोद्दार ने एक सागवान का पौधा आरोग्य मन्दिर के उद्यान में लगाया गया। उन्होंने कहा कि सरकार एवं निजी संस्थानों से सेवानिवृत्त होने की एक उम्रसीमा निर्धारित है लेकिन आज देश की बागडोर वृद्ध पुरुषों के हाथों में है। यह बागडोर देश के साठ करोड़ युवाओं के हाथ में आनी चाहिए।

डॉ. आर. के. मोदी, सचिव, मारवाड़ी चिकित्सा सेवा समिति ने मुख्य अतिथि एवं उपस्थित सभी अतिथियों का हार्दिक स्वागत करते हुए स्वतंत्रता दिवस को भारतीय इतिहास का महान दिवस बताया तथा देश भक्ति एवं देशप्रेम के साथ जीने का संकल्प लेने को कहा। उन्होंने बताया कि सितम्बर से मार्च तक लगातार प्रत्येक रविवार को लेन्स लगाकर मोतियाबिन्द के ऑपरेशन डॉ. पंकज खंडेलिया के द्वारा निःशुल्क किया जाएगा। एक-एक शिविर के लिए श्री विजय किशोरपुरिया, श्री गणेश खेतड़ीवाल, श्री शंभू दयाल अग्रवाल, श्री हीरा लाल साह सौजन्य मारवाड़ी महिला समिति, पटना सिटी, कृष्ण मुरारी पंसारी, श्री सत्येन्द्र अग्रवाल, श्री विजय बुधिया एवं श्री ओम गुप्ता ने अनुदान दिया। समारोह में श्री मोती लाल खेतान, श्री गणेश खेतड़ीवाल, श्री कैलाश झुनझुनवाला, श्री कमल नोपानी, डॉ. सुधा खेतान, डॉ. परमेश्वर प्रसाद, श्री शिव कुमार पोद्दार, श्री महावीर बिदासरिया, डॉ. ए. के. अग्रवाल, डॉ. स्यामल मोदी, डॉ. आशुतोष कुमार, डॉ. नील भारत केडिया, डॉ. लक्षिता, डॉ. राखी सिंह, श्री जगदीश अग्रवाल, श्री आत्माराम चौधरी, डॉ. चिरंजीव खंडेलवाल, श्रीमती पुष्पा चोपड़ा, श्री हरे कृष्ण अग्रवाल एवं पतंजलि योगपीठ के श्री आशीष कुमार सिन्हा व सैकड़ों गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

मारवाड़ी चिकित्सा सेवा समिति के निदेशक एवं प्रसिद्ध नेत्र चिकित्सक डॉ. मंगतू राम ने कहा कि मेरा जीवन इस समिति के लिए न्यौछावर है। मैंने इस समिति के तत्वावधान में हजारों ऑपरेशन किये हैं और आगे भी जीवन पर्यन्त सेवा करूंगा। पतंजलि योगपीठ के श्री लाल बाबू लाल ने अपने सारगर्भित एवं प्रेरक उद्बोधन में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रत्येक नागरिक को लहराते हुए तिरंगे झंडे को ऊँचा रखने के लिए एवं देश से भ्रष्टाचार मिटाकर भारत को विश्व का सर्वोत्तम राष्ट्र बनाने का अह्वान किया।

इस अवसर पर प्रसिद्ध कलाकार श्रीमती पल्लवी विश्वास एवं अभिनव द्वारा राष्ट्रीय गीत प्रस्तुत किये गये। श्री अजय कुमार, मंडल प्रभारी, पतंजलि योग समिति सह भारत स्वाभिमान मंच, पटना ने जीवन में योग को उतारकर चरित्र निर्माण पर विशेष जोर दिया।

उक्त अवसर पर निःशुल्क ९० लोगों की ब्लड सुगर की जाँच डायग्नोस्टिक डॉ. स्यामल मोदी द्वारा की गई तथा दन्त विभाग में ११० लोगों की जाँच डॉ. नील भारत केडिया, डॉ. राखी सिंह, डॉ. नवनीत केडिया एवं डॉ. लक्षिता द्वारा किया गया। साथ ही उपस्थित लोगों में सागवान के ३०० (तीन सौ) पौधे वितरित किये गये।

हास्य कथा

अक्खड़ स्वभाव का राजपूत और बनिया

– नथमल केडिया

राजस्थान प्रदेश में राजपूत जाति के लोग बहुत अक्खड़ स्वभाव के होते हैं। चलती पून (पवन) से लड़ाई करना उनका स्वभाव है। मिनटों में सिर फुड़ौवल तथा मरने-मारने को तैयार। वैसे जबान के एकदम पक्के, जो मुँह से बोल दिया वह लोहे की लकीर। पर जल्दी से कोई क्यों उलझे इसलिये बनिये आदि उनसे व्यवहार करने में कतराते हैं। हाँ तो एक बार जंगल में एक राजपूत तथा एक बनिया साथ-साथ जा रहे थे। वे एक दूसरे से थोड़े बहुत परिचित तो पहले से थे और रास्ता आपस में परिचय को बहुत जल्द पनपा भी देता है। इसलिये आपस में बातचीत शुरु हो गई।

एक ाएक राजपूत सज्जन बोले-देखो वह जो बहुत दूर पर पेड़ दिखाई देता है, रास्ते के दाँयी ओर बड़ा-सा घेर घुमेरदार, वह पीपल का पेड़ है। बनिये ने स्वाभाविक रूप से ही कह दिया – नहीं, ठाकर साब! वह तो बड़ का पेड़ है। पर राजपूत को यह कहाँ गवारा था कि वे कोई बात बोले और दूसरा उसको काटे। वे थोड़ी अक्खड़ आवाज में बोले-मेरे हिसाब से तो वह पीपल का पेड़ है पर इधर बनिये को स्पष्ट दिखाई दे रहा था कि पेड़ बड़ का है। उसने भी कह दिया– नहीं यह बड़ का पेड़ है। बस इतनी–सी बात हुई की राजपूत सज्जन तैश में आकर बोले-देख! यदि पीपल का पेड़ हुआ तो मैं तम्हारी गरदन उतार लूँगा और बड़ का निकला तो तुम मेरी गरदन उतार लेना। बेचारे बनिये ने ऐसी शर्त कभी तीन पुश्त में नहीं की थी पर उसके आगे सिवाय हाँ भरने के कोई चारा नहीं था। उसको मंजूरी देनी पड़ी। और वे जब पेड़ के पास आये तो वह पेड़ बड़ का निकला। तब राजपूत ने कहा- -सेठ! मैं होड़ (शर्त) हार गया।

यह लो मेरी तलवार और मेरी नाड़ काट लो। पर बनिये बेचारे को कहाँ किसी का सिर काटना था उसने कहा-ठाकराँ! मुझे तो आपका सिर काटना नहीं है। आप राजी खुशी घर जायें। पर उस राजपूत ने कहा–देखो! जो होड़ हुई है वह पक्की है। अब तुम मेरा सिर नहीं काटते हो तो कोई बात नहीं है पर अब से मेरे गले का ऊपर का सब हिस्सा तुम्हारा हो गया। यह तुम्हारी अमानत मेरे पास है। बनिये बेचारे ने हामी भर ली और अपना पिण्ड छुड़ाया। पर महिना भर भी नहीं बीता होगा कि उसे पता चला कि उसका पिण्ड कहाँ छूटा हैं? वह तो और ज्यादा शिकंजे में कस गया है। उस दिन उसने अपनी दुकान खोली ही थी और बोहनी के लिये ग्राहक की बाट जोह रहा था, ये महाशय ऊँट पर चढ़े हुए पहुँचे। खूब बढ़िया तेल फुलेल लगाये हुए तथा सिर पर कीमती साफा (पग्गड़) पहने हुए थे। आकर दुकान पर शान से बैठ गये। बनिये ने जब उनकी ओर देख कर जिज्ञासा की तो गरजती सी आवाज में बोले-सेठ

बताओ, यह मुंड (गले के ऊपर का हिस्सा) मेरा है या तुम्हारा? तब बनिये के ध्यान में आया कि यह जंगल में होड़ में हारा वही राजपूत है। बिचारा, हिचकिचाते हुए बोला-मेरा! सुनकर ठाकर बोला-तो इसको साफ सुथरा रखने में इतने का साबुन लगा इतने का तेल-फुलेल लगा और कंघी चोटी में इतना लगा, कुल ८०/- रुपये लगे सो दो। सेठ बिचारा क्या करे यदि ना-नू करे तो अभी यहाँ सीन खड़ा कर दे। गल्ले से चुपचाप ८०/- रुपये निकाल कर दे दिये।

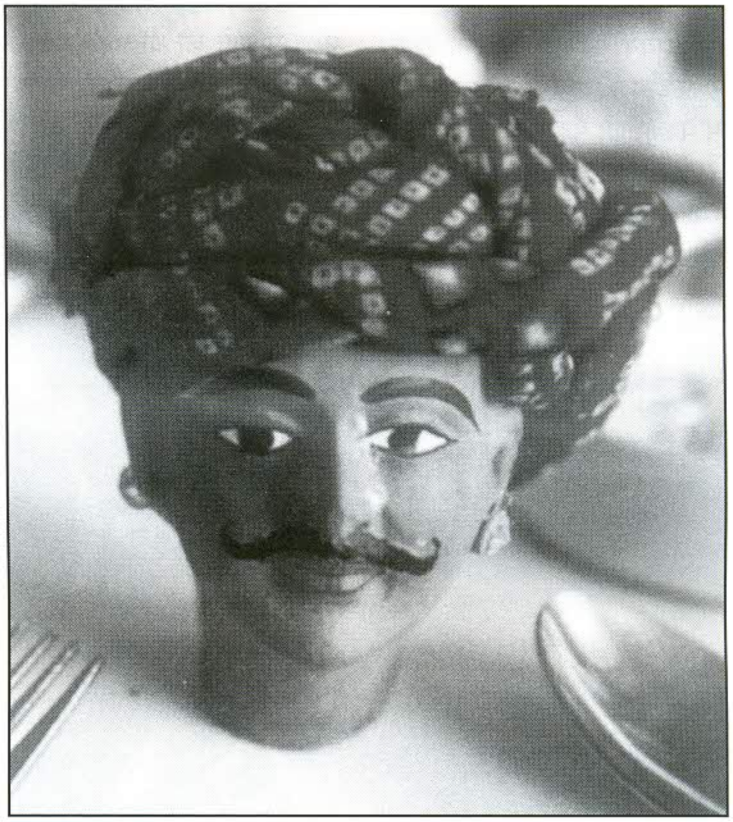

अब महीना सवा महीना बीतते न बीतते राजपूत महाशय सेठ की दुकान पर आ बिराजते और मूंड को खिलाने-पिलाने, रख-रखाव के ८०/- - १००/- ले जाय। सेठ बिचारा इससे छुटकारा कैसे मिले इस चिन्ता में घुलकर आधा रह गया। इस तरह छह-आठ महीने बीत गये। बार-बार ठाकर का आना सेठ के पड़ोसी दुकानदार भी देख रहे थे और ताज्जुब करते थे कि क्या बात है? यह ठाकर-ठाठ से ऊँट पर आता है और मूँछों पर ताव देते हुए घड़ी आध घड़ी में लौट जाता है। एक दिन उनमें से एक ने सेठ से पूछा-भाईजी! मुझे पूछना तो नहीं चाहिये पर आपने इससे कोई रकम उधार ले रखी है क्या? सेठ ने माथे पर हाथ रखते हुए अपनी सारी पीड़ा खोल कर बताई। सुनकर पहले तो पड़ोसी दुकानदार सोच में डूब गया पर दो-चार दिन के बाद ही दोनों ने कानों कान सलाह मशविरा किया। उस दिन पहली बार इस सेठ के मुँह पर कुछ मुस्कान नजर आई। हाँ तो अपने समय पर राजपूत महोदय को तो आना ही था। सदा की तरह आकर बड़े रोब से ऊँट से उतरे और दुकान के गद्दे पर बैठ गये और अपना डॉयलाग बोलना चालू किया पर आज सेठ ने कहा-ठाकराँ! अभी जल्दी क्या है? आये हैं तो बैठिये। हमारे इस मूंड को जल व चिलम तम्बाकू पिलाइये फिर आराम से लेट जाइयेगा। अभी उनको बैठे। आठ दस मिनट ही हुई होंगी कि बगलवाला दुकानदार आया और बोला-भाइसाहब! आज एक ग्राहक अजीब चीज माँग रहा है। दाम भी आकरा (बहुत अच्छा) देने को तैयार है। मुझे तो नहीं पता यह कैसे-कहाँ मिलेगा? मैंने कहा–मेरे पास नहीं है तो बोला-मुझे अरजेन्ट चाहिये कहीं से भी जोगाड़ करके ला दो। सेठ ने पूछा–क्या चीज? तो संकोचवश सेठ के कान में बताया पर सेठ जोर से बोला–यह तो मैं ही दे सकता हूँ पर २००/- लगेंगे। दुकानदार १५०/- देने पर राजी हुआ। आखिर में १७५/- में सौदा पटा। फिर इस बनिये ने राजपूत महोदय की ओर मुखातिब होकर कहा–ठाकराँ यह मूंड मेरा है कि आपका? ठाकरा ने कहा–आपका। इसीलिए तो रख-रखाव में ९०/- लगे वे लेने आया हूँ। वे इतनी बात कर रहे थे कि अगल-बगल के दो-चार लोग और आ गये और बात सुनने लगे। अब इस बनिये ने बगल की दुकानवाले से कहा–आपको एक कान चाहिये तो? उसने कहा–हाँ। उसके हाँ बोलने के साथ उसे छुरी देते हुए कहा–इस ठाकर का एक कान काट कर ले जाओ और १७५/- नगदी रख जाओ। अब ठाकर की चमकने की बारी थी, बोला–यह क्या? बात पूरी की पूरी मूंडी काटने की थी। सेठ बोला-ठाकराँ हम तो दुकानदार हैं। हमलोग बोरे के बोरे चीजों के थोक में खरीदते हैं और सेर-आध सेर, पाव, खुदरा में बिक्री करते हैं। आज एक कान का ग्राहक आया है तो उसे कान दे देवेंगे, कल यदि नाक का ग्राहक आया तो उसको नाक दे देंगे। भगवान करे कोई आँख का ग्राहक मिल जावेगा तो इस मुंड का बहुत अच्छा दाम मिल जावेगा। इतनी बात बोलते-बोलते उस दुकानदार की ओर देखकर बोला-देखते क्या हो मैं कहता हूँ ना एक कान काट कर ले जाओ और रोकड़ी १७५/- रुपये रख जाओ। अब ठाकरा हाय तौबा करने लगा। कुछ देर में गिड़गिड़ाने लगा। आखिर में लोगों ने बीच-बचाव किया और ठाकर को अपना २०००/- रुपये की कीमत का ऊँट देकर सेटलमेन्ट करना पड़ा।

सीताराम रुंगटा राजस्थानी भाषा साहित्य पुरस्कार

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष स्व. सीताराम रुंगटा की स्मृति में राजस्थानी भाषा की श्रीवृद्धि, प्रचार–प्रसार व प्रोत्साहन के लिये सीताराम रुंगटा राजस्थानी भाषा साहित्य पुरस्कार की स्थापना की गई थी। राजस्थानी भाषा के उत्कृष्ट रचनाकार को अपनी श्रेष्ठ साहित्यिक कृतियों के लिए यह पुरस्कार सम्मेलन की तरफ से स्थापना दिवस के अवसर पर २५ दिसम्बर २०११ को कोलकाता में प्रदान किया जायेगा।

प्रादेशिक सम्मेलनों, शाखाओं एवं सदस्यों से अनुरोध है कि वर्ष २०११ के लिए पुरस्कार हेतु नाम प्रस्तावित कर केन्द्रीय कार्यालय को २५ नवम्बर २०११ तक भेजने की कृपा करें।

निर्णायक मंडल

श्री सीताराम शर्मा, श्री रतन शाह, श्री हरि प्रसाद कानोड़िया, श्री नंदलाल रूंगटा, श्री प्रह्लाद राय अग्रवाल, श्री जुगल किशोर जैथलिया, श्री नथमल केड़िया एवं श्री राम अवतार पोद्दार।

संयोजक

श्री संतोष सराफ

उपरोक्त पुरस्कार सम्मेलन के ७६ वें स्थापना दिवस पर दिये जाएंगे

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

वैवाहिक आचार संहिता

- मिलनी सबकी ४ रुपया।
- अधिकतम २५ व्यंजन का नियम लागू हो।
- विवाह मे दोनों पक्ष को मिलाकर यथासंभव सीमित उपस्थिति हो।
- कम खर्च वाले साधारण निमंत्रण पत्र छपाएं।
- नेग का कार्यक्रम एक ही हो।
- सगाई/विवाह की मिठाई का खर्च वर पक्ष भी वहन करें।
- बैण्ड, सड़क पर नाच, वैवाहिक समारोहों में शराब आदि का उपयोग वर्जित हो।
- रात्रि के विवाह की वनिस्पत दिन के विवाह को प्राथमिकता दी जाए।

सम्मेलन धार्मिक व अन्य सामाजिक समारोहों में भी सादगी बरतने की अपील करता है।

SMS की दुनिया

देश-दुनिया-समाज के घटनाक्रमों पर बेहतरीन समाज की उपज का जायका आपको घर बैठे SMS पर मिलता है। कुछ को आप तुरन्त Delete करते है तो कुछ को मित्रो को Forward करते है। SMS बन गया है अपने अच्छे-बुरे दिलचस्प विचारों को सीधे आपके पास पहुंचाने का नायाब तरीका।

SMS की दुनिया में हम पाठकों से मजेदार, जायकेदार, तेज-तर्रार SMS समाज विकास को Forward करने के लिये आमंत्रित करते है जिन्हें हम Sender के नाम के साथ प्रकाशित करना चाहेंगे।

– सम्पादक, समाज विकास

Never explain yourself to anyone because the person who likes you doesnot need it, and the person who doesnot like you won't believe it.

What we leave in our children is more valuable that what we leave for our children.

हम अपने आप पर गरुर नहीं करते, किसी को याद करने पर मजबूर नही करते, मगर जिसे एक बार अपना बना ले, उसे मरते दम तक दिल से दूर नहीं करते।

Speak only when you feel your words are better than silence.

You do 100 good things, nobody remembers : you do one thing wrong nobody forgets.

करीब रहकर वो हमें पहचान ना पाए, आज तक हमें वो जान ना पाए, खुद ही बना ली हमसे दूरियां, ताकि उनपे कोई इल्जाम न आये।

एक सो रहे भिखारी ने अपने सामने एक सूचना पट्ट लगा रखी थी – सिक्के डालकर आवाज न करें, नोट दें।

आपका सुख गणेशजी के पेट जितना बड़ा हो
आपका दुःख चूहे जितना छोटा हो,
आपका जीवन उनकी सूंड जितनी लम्बी हो,
आपके बोल मोदक जैसे मीठे हो, जय गणेश।

Poor people beg outside the Temple
Rich people beg inside the Temple

Mirror is my best friend,
Because when I cry it never laughs.

एकबार भीगी आंखो ने दिल से शिकायत की
आंसुओ के बोझ केवल हम ही क्यों उठाएं
दिल ने मस्कुराते हुए जबाब दिया
सपने किसने देखे थे।

कविता

अन्ना

इस ने बोला,
उस ने बोला,
मैने बोला,
तुम ने बोला
सब ने बोला –
वो गांधी है! वो गांधी है!!
वो गांधी था! वो गांधी था!!

इस ने बोला,
उस ने बोला,
मैने, तुमने, सबने बोला
देश बोला –
मै भी अन्ना! तू भी अन्ना!!
बच्चे-बूढ़े सब अन्ना
अन्ना नाम नहीं है एक
अन्ना से है भारत देश।

– शिव सारदा

देहदान

मैनें अपना देह दान कर दिया है, जिसका जे.जे. अस्पताल ग्रांट मेडिकल कालेज मुम्बई में रजिस्ट्रेशन हो गया है और जिसका नं. ६४४१ दिनांक २०.९.२०१० है। मेरी मृत्यु उपरान्त मेरी देह को शव वाहनी द्वारा जे.जे. अस्पताल भायखला भेज दिया जावे। रजिस्ट्रेशन का कार्ड मेरी अलमारी में सभी कार्ड के साथ रखा हुआ है। देहदान के मेरे इच्छा पत्र पर मेरे पुत्र संजीव, डॉ. दुर्गादास चौधरी तथा समाजबन्धु श्री महाबीरजी गुप्ता के दस्तखत किये हुए हैं। मेरी पत्नी उषा की भी सहमति है। मेरे परिवार में सब को इसकी जानकारी है।

मेरी मृत्यु को सहज स्वाभाविक रूप में लिया जावे। उसके लिये कोई शोकसभा, बैठक, ब्राह्मण भोजन, या अन्य कोई भी उपक्रम नहीं किया जावे। कोई भद्दर नहीं होवे। उषा वैधव्य की वेशभूषा नहीं धारण करे।

– मनमोहन बागड़ी (मुंबई)

VIOM
NETWORKS

A Leading Telecom Infrastructure Company Globally

Independent entity with over 38,000 towers and over 89000 tenants

Plans to roll-out nearly 20-25,000 additional towers and take tenancy ratio to 2.5x

Strongest player in neutral host Shared In-Building Solutions (IBS)

First Indian Telecom Infrastructure Company to receive ISO 14001 & OHSAS 18001 Certification

Viom Networks Limited

Corporate Office : 14 & 15th Floor, DLF Square, Jacaranda Marg, DLF City, Phase 2, Gurgaon - 122 002. India

REGISTERED Postal Registration
No. KOLRMS/93/2010-2012
Date of Publication - 28 September, 2011
RNI Regd. No. 2868/68

From :
All India Marwari Federation
152B, Mahatma Gandhi Road
Kolkata - 700 007
Ph : 2268 0319
E-mail : aimf1935@gmail.com